MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 05 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-183

अयोध्या चढ़ावाकाँड

ह'राम का सोना बिस्कुट

लखनऊ, 04 जुलाई (एजेंसियां):

अयोध्या राम मंदिर दान घोटाले की परतें जैसे-जैसे खुल रही हैं, जांच का दायरा उतना ही हैरान करने वाला होता जा रहा है। सूत्रों से मिली एक्सक्लूसिव जानकारी के मुताबिक, इस मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (सीट) अब एक बेहद चौंकाने वाले एंगल पर काम कर रही है।

आभूषणों को गलाकर सोने के बिस्कुट बनवाने का शक

एसआईटी को अंदेशा है कि मंदिर से चोरी किए गए बहुमूल्य आभूषणों की पहचान मिटाने के लिए आरोपियों ने उन्हें गलवा दिया और उनके सोने के बिस्कुट बनवा लिए। दरअसल, जांच एजेंसियों द्वारा आरोपियों के ठिकानों पर की गई अब तक की छापेमारी में चोरी से जुड़े आभूषण बरामद नहीं हो सके हैं। जेवरातों का गायब होना ही जांच टीम के इस शक को और गहरा कर रहा है कि कहीं सबूत मिटाने और सोने को आसानी से खपाने के लिए यह साजिश तो नहीं रची गई। इस बीच, एसआईटी के आला अधिकारियों ने रामलला के दर्शन करने के बाद प्रभारी केडी बाबू से आभूषणों, चढ़ावे की बहुमूल्य वस्तुओं और उनके रख-रखाव की मौजूदा व्यवस्था पर लंबी पूछताछ की।

मिंट के रिकॉर्ड की जांच

जांच टीम ने आभूषणों से जुड़े अभिलेखों के साथ-साथ भारत सरकार के उपक्रम प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (मिंट) के साथ हुए लेन-देन की फाइलें भी तलब कर ली हैं। अधिकारियों ने बैंकों और मिंट को भेजी गई धातुओं का पूरा ब्यौरा मांगा है।

ट्रस्ट की बड़ी ढिलाई का खुलासा

एसआईटी की जांच में मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली को लेकर भी एक बड़ा खुलासा हुआ है। पता चला है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की हर तीसरे महीने होने वाली बैठक में नकद दान और आय का विवरण नियमित रूप से रखा जाता था। भक्तों द्वारा चढ़ाए गए सोने-चांदी व अन्य बहुमूल्य रत्नों की सटीक मात्रा, उनके मूल्यांकन और उपलब्ध स्टॉक का विस्तृत ब्यौरा नियमित एजेंडे का हिस्सा नहीं था। इसी ढिलाई का फायदा आरोपियों ने उठाया।भक्तों से प्राप्त होने वाले सोने-चांदी की शुद्धता और मात्रा के सटीक मूल्यांकन के लिए ट्रस्ट ने पहले चरण में 9.44 क्विंटल (944 किलोग्राम) चांदी को जांच और गलाने के लिए भारत सरकार की संस्था मिंट को भेजा था।

चंपत राय का खुलासा

इससे पहले ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी सार्वजनिक रूप से यह जानकारी दे चुके हैं कि मंदिर को दान स्वरूप करीब 13 क्विंटल चांदी और 20 किलो सोना प्राप्त हुआ था। अब एसआईटी इसी पूरे स्टॉक और मिंट के रिकॉर्ड का मिलान कर रही है ताकि चोरी की गई सही मात्रा और सोने के बिस्कुट बनाए जाने के दावों की सच्चाई सामने आ सके।

काउंटिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव

तमाम विवादों के बीच राम मंदिर के दान काउंटिंग सिस्टम में सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अब बड़ा बदलाव किया गया है। काउंटिंग हॉल में अब कर्मचारियों को सख्त सुरक्षा व्यवस्था और दोहरी जांच (डबल चेकिंग) के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है।

नया ड्रेस कोड और सुरक्षा व्यवस्था

अब कर्मचारियों को बिना किसी जेब (पॉकेट) वाली डार्क ब्लू रंग की ड्रेस पहनना अनिवार्य होगा। काउंटिंग हॉल में प्रवेश से पहले प्रत्येक कर्मचारी को दो चरणों की सुरक्षा जांच से गुजरना होगा। काउंटिंग का कार्य अब कुर्सी-मेज पर नहीं, बल्कि जमीन पर बैठकर कराया जाएगा।

चढ़ावे की कथित चोरी का मामला अनुकल्प मिश्रा का एंट्री पास

इस बीच, राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी का मामला लगातार नए खुलासों के साथ सुर्खियों में बना हुआ है। इस मामले में आरोपी अनुकल्प मिश्रा को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, अनुकल्प मिश्रा के नाम पर मंदिर में व्यवस्था कार्यकर्ता के तौर पर एंट्री पास जारी किया जाता था। ▶8पर

जान से मारने की धमकी

मेलबर्न मीट्स मोदी

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां):

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 जुलाई को प्रस्तावित ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। मेलबर्न में आयोजित होने वाले मेलबर्न मीट्स मोदी कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर मिली जान से मारने की धमकी के बाद ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, धमकी फेसबुक पर उस पोस्ट के नीचे दी गई थी, जिसमें मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में आयोजित होने वाले कम्युनिटी प्रोग्राम का प्रचार किया जा रहा था। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे का प्रमुख आकर्षण माना जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अबू मुस्तफा नाम के एक फेसबुक अकाउंट से टिप्पणी की गई, जिसमें लिखा था, बेहतर होगा कि कार्यक्रम के दौरान स्टेडियम की छत बंद रहे, वरना वह ऑस्ट्रेलिया अपनी मौत के लिए आ रहे हैं। इस पोस्ट के सामने आने के तुरंत बाद मामले को ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस के पास भेज दिया गया।

बताया जा रहा है कि जांच एजेंसियों ने इस सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े आईपी एड्रेस की पहचान कर ली है और अब यह पता लगाया जा रहा है कि यह टिप्पणी किसने की और इसके पीछे क्या मंशा थी। साथ ही अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या इस मामले में किसी आपराधिक कानून का उल्लंघन हुआ है।

हालांकि ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस ने अभी तक जांच को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन स्थानीय मीडिया का कहना है कि किसी भी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख को दी गई धमकी को ऑस्ट्रेलिया की सुरक्षा एजेंसियां बेहद गंभीरता से लेती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी कई एजेंसियों के पास होगी। इसमें ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस, राज्य पुलिस और विशेष सुरक्षा इकाइयां शामिल रहेंगी। सभी कार्यक्रमों की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की जा रही है।

मेलबर्न कार्यक्रम काफी अहम

प्रधानमंत्री मोदी अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान द्विपक्षीय वार्ताओं में हिस्सा लेने के साथ-साथ भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे। ऐसे में मेलबर्न का यह कार्यक्रम काफी अहम माना जा रहा है। ऑनलाइन धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित खतरे को लेकर सतर्क हैं और पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

शोपियां मुठभेड़ : दो आतंकी ढेर

जम्मू, 04 जुलाई (एजेंसियां):

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर हो गए। यह एनकाउंटर शाम करीब 7:45 बजे शोपियां जिले के चनपोरा गांव, सैदपोरा पीन इलाके में शुरू हुआ। पुलिस और सेना के जुड़े सूत्रों के मुताबिक, दो आतंकियों के इलाके में छिपे होने की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। जवाबी कार्रवाई में दोनों आतंकियों को मार गिराया गया। इस ऑपरेशन में जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप , सेना की 44 आरआर, 20 आरआर, 55 आरआर, 34 आरआर, 3 पैरा और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमें शामिल थीं। शुरुआत में सुरक्षा बलों से जुड़े सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ में आतंकी जाकिर गनई और लतीफ भट्ट के फंसे होने की आशंका थी। हालांकि, मारे गए दोनों आतंकी जाकिर और लतीफ ही हैं, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है।

सीसीटीवी फुटेज में दिखे दो आतंकी

सेना की ओर से आतंकियों की सीसीटीवी फुटेज और तस्वीर भी सामने आई, जिनमें दो आतंकी दिखाई दे रहे थे। एजेंसियां इन फुटेज की जांच कर रही हैं ताकि यह पुष्टि की जा सके कि मुठभेड़ स्थल पर मौजूद आतंकी जाकिर गनई और लतीफ भट्ट ही थे या नहीं। ▶8पर

सबसे बड़ा प्रहार

23 खूंखार 'आतंकी' घोषित

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ा और सख्त कदम उठाया है। गृह मंत्रालय ने एक गजट नोटिफिकेशन जारी करके 23 आतंकियों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून यानी यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित कर दिया है। इन सभी 23 नामों को यूएपीए की चौथी अनुसूची में शामिल किया गया है। इनमें से ज्यादातर आतंकी जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हैं और पाकिस्तान या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में रह रहे हैं ।

इस लिस्ट में मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान और हाफिज अब्दुल शकूर जैसे नाम शामिल हैं, जो 2016 में नगरोटा स्थित भारतीय सेना शिविर पर हुए हमले और 2022 में जम्मू के सुंजवां में सुरक्षा बलों पर हुए हमले से जुड़े बताए गए हैं. लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े अब्दुल रऊफ और हाफिज खालिद वलीद को हाफिज मोहम्मद सईद के करीबी सहयोगी के रूप में बताया गया है।

इस पूरी कार्रवाई में सबसे चौंकाने वाला नाम मोहम्मद शहीद फैसल उर्फ उस्ताद उर्फ जाकिर का है। सरकार का कहना है कि वह लश्कर-ए-तैयबा, अल-कायदा और आईएसआईएस से जुड़े मॉड्यूल से संबंध रखता है। उस पर सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को भर्ती करने, हथियारों की ट्रेनिंग दिलवाने और आतंकी गतिविधियों के लिए पैसा जुटाने का गंभीर आरोप है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, केंद्र सरकार का मानना है कि संबंधित व्यक्ति आतंकवाद में शामिल है. इसी आधार पर यूएपीए की धारा 35 के तहत उसका नाम कानून की चौथी अनुसूची में शामिल किया गया है. इस सूची में शामिल होने के बाद इन आतंकियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लगाने का रास्ता आसान हो जाता है। यह अधिसूचना गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव राकेश राठी ने जारी की है-

घोषित 23 आतंकियों की पूरी सूची

1. मसूद इलियास कश्मीरी (जैश-ए-मोहम्मद) ठिकाना: पाकिस्तान, आरोप: आतंकियों की भर्ती, घुसपैठ और आतंकी गतिविधियों का संचालन।
2. मोहम्मद मुसद्दिक (जैश-ए-मोहम्मद) ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 27^0
न्यूनतम : 24^0

हर्ष फायरिंग की सज़ा

बीजेपी विधायक को 4 साल जेल

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां):

दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को बिहार के बीजेपी विधायक राजू कुमार सिंह को 2018 के चर्चित हर्ष फायरिंग मामले में चार साल की सजा सुनाई। वह फिलहाल बिहार के मुजफ्फरपुर जिले की साहेबगंज विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक हैं। इस घटना में एक महिला डॉक्टर की मौत हो गई थी। कोर्ट ने विधायक पर 25 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने सजा का ऐलान करते हुए कहा कि दोषी को आईपीसी की धारा 304 पार्ट-2 के तहत चार साल की साधारण कैद और आर्म्स एक्ट के तहत दो महीने की सजा दी जाती है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि जुर्माने की राशि पीड़िता के परिवार को मुआवजे के तौर पर दी जाएगी। बिहार के साहेबगंज से बीजेपी

राजू कुमार सिंह

विधायक राजू कुमार सिंह ने कोर्ट से प्रोबेशन पर रिहाई की मांग की थी। उन्होंने दलील दी थी कि उनका किसी की जान लेने का इरादा नहीं था और जनप्रतिनिधि के तौर पर उनका रिकॉर्ड बेदाग रहा है। राजू कुमार सिंह (56 वर्षीय) को आईपीसी की धारा 304 पार्ट-2 यानी गैर इरादतन हत्या के अपराध में दोषी ठहराया गया। इसके अलावा उन्हें आर्म्स एक्ट के तहत लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन का भी दोषी पाया गया।

हर्ष फायरिंग में गई थी महिला डॉक्टर की जान

यह घटना 31 दिसंबर 2018 की है, जब राजू कुमार सिंह ने दिल्ली के वसंत कुंज स्थित अपने फार्महाउस में न्यू ईयर पार्टी आयोजित की थी। जश्न के दौरान राजू कुमार सिंह ने हर्ष फायरिंग की, जिसमें डॉ. अर्चना गुप्ता को गोली लग गई। वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले की जांच के बाद दिल्ली पुलिस ने राजू कुमार सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। इसके बाद अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया और अब सजा का ऐलान किया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने 6 जून को अपने 97 पन्नों के फैसले में कहा था कि उत्सव ▶8पर

पंजाब कांग्रेस में घमासान सीएम चेहरे पर खींचतान

नई दिल्ली, 04 जुलाई (एजेंसियां):

पंजाब कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आने लगी है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के शक्ति प्रदर्शन के एक दिन बाद पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने चुप्पी तोड़ी और साफ कहा कि वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में अनुशासन सबसे जरूरी है और सभी नेताओं को अपनी सीमाओं में रहकर ही बयान देना चाहिए।

दरअसल, चरणजीत सिंह चन्नी के आवास पर शुक्रवार को कांग्रेस के 50 से ज्यादा नेताओं की बैठक हुई थी। इस बैठक में कई नेताओं ने राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखने के फैसले पर सवाल उठाए और पार्टी नेतृत्व से इस फैसले पर दोबारा विचार करने की मांग की। माना जा

रहा है कि चन्नी प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनाए जाने से नाराज हैं। इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए राजा वड़िंग ने कहा, चन्नी साहब हों या कोई और, कोई भी मुख्यमंत्री का चेहरा हो सकता है। मैं इस दौड़ में नहीं हूं। राजा वड़िंग मुख्यमंत्री पद की रेस में नहीं है। राहुल गांधी जिस शख्स को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाएंगे, मैं उसके साथ मजबूती से खड़ा रहूंगा। मेरा सिर्फ एक लक्ष्य है कि पंजाब में कांग्रेस की सरकार वापस लानी है। ▶8पर

चीन की चुनौती : सड़क के रास्ते टैंक और सेना भेजने की साजिश

बीजिंग

पाकिस्तान में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के जरिए अरब सागर तक पहुँच बनाने के बाद, अब चीन की रणनीतिक नज़र बंगाल की खाड़ी पर टिकी है। बीजिंग ने बांग्लादेश और म्यांमार के साथ एक नया आर्थिक कारिडोर बनाने की दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ा दिए हैं। यदि यह महत्वाकांक्षी परियोजना पूरी होती है, तो चीन को भारत की पूर्वी सीमा के बेहद करीब सड़क, रेल और समुद्री संपर्क का एक ऐसा विशाल नेटवर्क मिल सकता है, जिसे भू-राजनीतिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि एक बार इसके पूरा हो जाने के बाद, चीन ज़रूरत पड़ने पर सड़क के रास्ते भारत की पूरी पूर्वी सीमा तक अपने टैंक और सैनिक आसानी से भेज सकेगा, जिससे भारत के लिए नई सुरक्षा चुनौतियाँ खड़ी हो सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की हालिया चीन यात्रा के दौरान इस परियोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रस्ताव है कि चीन के कुनमिंग शहर को म्यांमार के रास्ते बांग्लादेश के प्रमुख बंदरगाहों और खासकर मोंगला पोर्ट से जोड़ा जाए। यह नया गलियारा काफी हद तक सीपीईसी की तर्ज पर विकसित किया जा सकता है, जिसने चीन को पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के ज़रिए अरब सागर तक पहुँच दी। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि कोई भी आधुनिक सड़क, रेल और बंदरगाह नेटवर्क शांति के समय व्यापार के लिए उपयोग होता है, लेकिन संकट या युद्ध की स्थिति में वही बुनियादी ढाँचा सैन्य साजो-सामान, सैनिकों और भारी सैन्य उपकरणों की तीव्र आवाजाही के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यही वजह है कि भारत के लिए यह चीनी प्रोजेक्ट चिंता का विषय है ।ढाका में तैनात चीनी राजदूत याओ वेन ने बताया कि यह विचार बिल्कुल नया नहीं है, बल्कि वर्ष 1999 में बांग्लादेश-चीन-भारत-म्यांमार आर्थिक कारिडोर की अवधारणा सामने आई थी, जिसका मकसद चारों देशों को सड़क, रेल, जलमार्ग और हवाई संपर्क से जोड़ना था, लेकिन यह योजना आगे नहीं बढ़ सकी। याओ वेन ने कहा कि चीन और बांग्लादेश के बीच शुरू हो रहा सहयोग अंतिम पड़ाव नहीं है और अगर दूसरे देश भी इसमें शामिल होना चाहें तो चीन उनका स्वागत करेगा। वर्ष 2024 में बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बीजिंग और ढाका के रिश्ते तेज़ी से मज़बूत हुए हैं। इस दौरान कई ऐसे समझौते हुए हैं, जिन पर भारत की नज़र बनी हुई है। इनमें तीस्ता नदी परियोजना, भारत की पूर्वी सीमा के पास लालमोनिरहाट एयरबेस के विकास में चीनी सहयोग, ढाका में ड्रोन निर्माण और टेक्नोलाजी ट्रांसफर यूनिट स्थापित करने की योजना के साथ-साथ मोंगला पोर्ट के पास आर्थिक क्षेत्र के विकास का ठेका चीन को दिया जाना शामिल है। खास बात यह है कि मोंगला प्रोजेक्ट पहले भारत के साथ प्रस्तावित था, जिसे बाद में बांग्लादेश ने रद्द कर चीन को सौंप दिया।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में सुशासन पर जोर, बालेन्द्र शाह सरकार के 100 दिन सकारात्मक बताए गए : रवि लामिछाने

काठमांडू। नेपाल के सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने कहा है कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार के शुरुआती 100 दिन सुशासन और नागरिक सेवाओं में सुधार की दिशा में सकारात्मक रहे हैं। सरकार के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए लामिछाने ने कहा कि इस अवधि में सरकार का मुख्य फोकस सुशासन और जनता को सरल, पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने पर रहा है। उन्होंने कहा कि नागरिक सेवाओं को डिजिटल बनाने, होम डिलीवरी सिस्टम विकसित करने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में काम शुरू किया गया है, ताकि आम लोगों को सरकारी सेवाएं आसानी से मिल सकें। लामिछाने के अनुसार, तुरंत दिखाई देने वाले परिणामों पर भी काम जारी है और सरकार सुशासन को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जनता से मिलने वाले सुझावों के आधार पर नीतियों में सुधार किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी नए प्रशासन में प्रारंभिक चरण में कुछ प्रक्रियागत कमियां रह सकती हैं, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि सरकार उन्हें पहचानकर सुधार की दिशा में आगे बढ़े। उनके अनुसार, यदि भविष्य में कोई कमी सामने आती है तो उसे दोबारा न दोहराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सिंधु जल संधिः जल संकट में ड्रैगन को घसीट रहा पाकिस्तान, भारत के सख्त रुख के बाद नई कूटनीतिक चाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान दशकों से सिंधु जल समझौते से लाभ उठा रहा था, अपनी प्यास बुझा रहा था, लेकिन सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने की नीतियों ने भारत को सिंधु जल संधि पर अपने रुख की समीक्षा करने पर मजबूर कर दिया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद जारी रहेगा, तब तक सिंधु जल संधि पर पहले जैसी व्यवस्था नहीं चल सकती। इस मुद्दे को लेकर पाकिस्तान चीन की गोद में बैठकर कुदरत की सौगातों का पाठ पढ़ा रहा है। पाकिस्तान का तर्क है कि हिमालय से निकलने वाली नदियां सिर्फ भारत और पाकिस्तान की नहीं हैं, बल्कि चीन भी इनका एक बड़ा हितधारक है, और इस मुद्दे पर उसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान ने अचानक चीन को जल सिंधू विवाद में क्यों घसीटा, यह समझना जरूरी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने हाल ही में कहा कि हिमालय से निकलने वाली नदियां कुदरत की देन हैं और ये सिंधु से लेकर मेकांग तक कई देशों को पानी देती हैं। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि चीन से भी कई बड़ी नदियां निकलती हैं, इसलिए पानी का मुद्दा पूरी मानवता से जुड़ा है और चीन की भूमिका भी इसमें अहम है। पाकिस्तान यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि यह सिर्फ भारत-पाकिस्तान का द्विपक्षीय मामला नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का एक साझा मुद्दा है, जिसमें चीन एक महत्वपूर्ण पक्षकार है। ताहिर अंद्राबी ने अपने बयान में जोर दिया कि चीन का रुख पानी से जुड़े बड़े मुद्दों पर हमेशा सकारात्मक रहेगा, क्योंकि वह न सिर्फ दक्षिण एशिया में बहने वाली नदियों के मामले में, बल्कि हिमालय से चीन और सुदूर पूर्व की ओर बहने वाली विशाल नदी प्रणालियों के मामले में भी एक अहम पक्षकार है।

पूर्वी इंडोनेशिया के पास 6.2 तीव्रता का भूकंप, किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं

जकार्ता। पूर्वी इंडोनेशिया के नार्थ मलुकु प्रांत के पास शुक्रवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप में अभी तक किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। तुर्किए की सरकारी संवाद एजेंसी अनाडोलू और इंडोनेशिया की चैनल न्यूज़ एशिया (सीएनए) के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 11:31 बजे टोबेलो से लगभग 58 किलोमीटर पश्चिम में आया। इसका केंद्र 120 किलोमीटर की गहराई पर था। झटके इतने तेज थे कि आसपास के क्षेत्रों में लोग कुछ सेकंड के लिए घबरा गए। भूकंप के केंद्र से करीब 114 किलोमीटर दूर स्थित टर्नेट शहर के निवासी ने बताया कि झटके के दौरान वे एक काफी स्टाल पर बैठे थे और अचानक कुर्सी हिलने लगी, जिससे उन्हें पिछले भूकंपों की याद आ गई। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी (बीएमकेजी) ने पुष्टि की है कि इस भूकंप के बाद सुनामी का कोई खतरा नहीं है। इंडोनेशिया रिंग आफ फायर क्षेत्र में स्थित है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की गतिविधि के कारण भूकंप और ज्वालामुखीय घटनाएं अक्सर होती रहती हैं।

चीन पर जापान की घेराबंदी : भारत की भूमिका पर विशेषज्ञ संशय में

टोक्यो

जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के दिल्ली दौरे ने वैश्विक कूटनीति में महत्वपूर्ण मोड़ लिया है। उनका दौरा तब हो रहा है जब जापान चीन के खिलाफ एक मुखर मोर्चा खोल चुका है और खुले तौर पर ताइवान का समर्थन कर रहा है, जिसके बाद चीन ने युद्ध की चेतावनी दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए मजबूत गठबंधन तैयार करना है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि नई दिल्ली इस चीनी-केंद्रित रणनीति के साथ कितनी गहराई से जुड़ने को तैयार है।

पीएम तकाइची ने भारत में रक्षा, व्यापार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायो-गैस जैसे कई अहम क्षेत्रों में समझौते किए हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि समझौतों के पीछे उनका प्राथमिक मकसद उन देशों को एकजुट करना है जो इंडो-पैसिफिक में बीजिंग के प्रभुत्व से चिंतित हैं। इसके साथ ही, यह दौरा उन्हें घरेलू स्तर पर भी एक आसान जीत दिला सकता है, क्योंकि आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही जापानी जनता के बीच उनका समर्थन दर गिरा है। वासेडा यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर बेन एस्कियोन ने जोर दिया कि तकाइची जापान की सुरक्षा नीतियों में तेजी लाना चाहती हैं और भारत को इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा दिखाना चाहती हैं।

हालांकि, भारतीय विशेषज्ञ इस बात पर संशय रखते हैं कि भारत जापान की उम्मीदों पर कितना खरा उतरेगा। एस्कियोन के अनुसार, टोक्यो का फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक अभियान भारत को चीन के मुकाबले करीब लाने पर केंद्रित है, लेकिन भारत की इसमें शामिल होने की इच्छा चीन के साथ उसके अपने संबंधों पर निर्भर करती है। उनका मानना है कि जब भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव बढ़ता है, नई दिल्ली अमेरिका और जापान के साथ सहयोग करने को अधिक तैयार होती है, लेकिन जब रिश्ते स्थिर होते हैं, तब उसकी यह तत्परता घट जाती है। वर्तमान में, चीन के साथ भारत के रिश्ते स्थिर माने जा रहे हैं, इसलिए तत्काल पूर्ण समर्थन की संभावना कम है।

अपनी यात्रा के दौरान, तकाइची ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ विशेष रणनीतिक वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया, जिसमें आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल थे। दोनों देशों ने सेमीकंडक्टर संयंत्रों में निवेश सहित भारतीय टेक्नोलाजी फैब्रिकेशन में सहयोग बढ़ाने की बात की है, जिसका लक्ष्य चिप्स और अन्य प्रौद्योगिकियों के लिए चीन पर निर्भरता कम करना है। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी डालर के बजाय रुपये और येन में द्विपक्षीय व्यापार करने पर भी चर्चा हुई, जो आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक कदम है।

जानकार भी मानते हैं कि जापानी नेता की मुख्य चिंता चीन से उत्पन्न खतरा है। वे चीन का मुकाबला करने के लिए भारत के साथ घनिष्ठ संबंध चाहती हैं। जापान अन्य एशियाई देशों जैसे फिलीपींस और इंडोनेशिया के साथ भी रक्षा क्षमताएं बढ़ा रहा है, जो साउथ चाइना सी पर बीजिंग के दावों से जूझ रहे हैं। यह चीन विरोधी गठबंधन बनाने की जापान की व्यापक विदेश नीति का हिस्सा है। हालाँकि, भारत का पूर्ण समर्थन इस भू-राजनीतिक समीकरण में अभी भी एक खुला प्रश्न बना हुआ है।

टेलीस्कोप की मदद से किया ब्रह्मांड की दुर्लभ घटना का अवलोकन

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों ने जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की मदद से ब्रह्मांड के शुरुआती दौर की दुर्लभ घटना का अवलोकन किया है। इन दुर्लभ घटनाओं में छह विशाल गैलेक्सियां आपस में मिलकर एक महाविशाल आकाशगंगा का निर्माण करती दिखाई दे रही हैं। इस प्रक्रिया के केंद्र में एक तेजी से विकसित होता महाविशालकाय ब्लैक होल भी मौजूद है, जो वैज्ञानिकों के लिए विशेष रुचि का विषय बना हुआ है। यह खोज अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की एक टीम ने की है, जिसमें लीडेन विश्वविद्यालय और आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ता शामिल हैं। अध्ययन में जिस खगोलीय संरचना का अवलोकन किया गया है, उसे टीजीएसएसजे1530+1049 नाम दिया गया है। यह प्रणाली पृथ्वी से लगभग 12 अरब प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। इसका अर्थ है कि वैज्ञानिक इसे उस समय की स्थिति में देख रहे हैं जब ब्रह्मांड की आयु केवल लगभग 1.5 अरब वर्ष थी। वैज्ञानिकों ने इस क्षेत्र का अध्ययन इसलिए शुरू किया था क्योंकि पहले किए गए रेडियो अवलोकनों में यहां एक सक्रिय महाविशाल ब्लैक होल होने के संकेत मिले थे। लेकिन जेम्स वेब टेलीस्कोप से प्राप्त नई तस्वीरों और आंकड़ों ने कहीं अधिक जटिल और रोमांचक तस्वीर पेश की। शोधकर्ताओं को यहां केवल एक गैलेक्सी नहीं, बल्कि कम से कम छह गैलेक्सियों का समूह दिखाई दिया, जिनमें से चार पहले से ही अत्यंत विशाल हैं। इन गैलेक्सियों में अरबों सूर्यों के बराबर तारकीय द्रव्यमान मौजूद है और वे एक-दूसरे के बेहद करीब स्थित हैं।

तक्षशिला में पुनर्निर्माण को लेकर यूनेस्को ने पाकिस्तान को दी चेतावनी

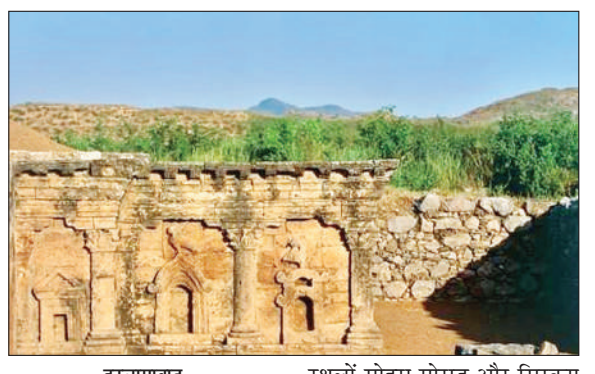

इस्लामाबाद

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने पाकिस्तान को विश्व धरोहर स्थल तक्षशिला में दो प्राचीन स्मारकों पर किए गए पुनर्निर्माण कार्य को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। एजेंसी ने कहा है कि यदि निर्माण कार्य को मूल स्वरूप के अनुरूप बहाल नहीं किया गया, तो तक्षशिला को खतरे में पड़ी विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया जा सकता है और उसकी विश्व धरोहर का दर्जा भी प्रभावित हो सकता है।

रूस की अंतरराष्ट्रीय सरकारी समाचार टेलीविजन नेटवर्क रूस टुडे (आरटी) ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि यूनेस्को ने हाल ही में पाकिस्तान सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक में स्पष्ट किया कि ऐतिहासिक स्थलों पर अनावश्यक बदलाव उनकी प्रामाणिकता और ऐतिहासिक अखंडता को नुकसान पहुंचाते हैं। एजेंसी ने जर्मनी के एक विश्व धरोहर स्थल का उदाहरण भी दिया, जिसे इसी तरह के कारणों से सूची से हटाया गया था।

यूनेस्को ने विशेष रूप से तक्षशिला के दो प्रमुख पुरातात्विक स्थलों मोहरा मोरादु और सिरकप पर किए गए पुनर्निर्माण पर आपत्ति जताई है। एजेंसी का कहना है कि इन कार्यों से स्मारकों का मूल स्वरूप प्रभावित हुआ है।

मामला तब सामने आया जब एक अज्ञात व्यक्ति ने पेरिस स्थित यूनेस्को में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि को तस्वीरों और दस्तावेजों के माध्यम से इन निर्माण कार्यों की जानकारी भेजी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पंजाब पुरातत्व विभाग ने कई स्थानों पर मूल प्राचीन दीवारों की जगह नया निर्माण किया और कुछ हिस्सों की ऊंचाई भी बढ़ा दी।

शिकायत मिलने के बाद यूनेस्को की टीम ने तक्षशिला का दौरा कर स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद एजेंसी ने पाकिस्तान से पुनर्निर्माण कार्य की समीक्षा कर उसे मूल स्वरूप के अनुरूप बहाल करने का आग्रह किया है।

तक्षशिला प्राचीन काल का एक प्रमुख शिक्षा और सांस्कृतिक केंद्र रहा है, जिसकी ऐतिहासिक विरासत छठी शताब्दी ईसा पूर्व तक जाती है। यूनेस्को ने इसे वर्ष 1980 में विश्व धरोहर स्थल का दर्जा प्रदान किया था।

कजाकिस्तान में छिपे टंगस्टन खजाने पर ट्रंप की है नजर, चीन-रूस हैं अपना बनाना

वाशिंगटन। आधुनिक विज्ञान और तकनीक की दुनिया में एक ऐसा धातु है जिसके बिना अंतरिक्ष यात्राओं से लेकर हमारे घरों के बल्ब तक सब अधूरा है- इसका नाम है टंगस्टन। यह अद्भुत और खास धातु कजाकिस्तान में छिपी हुई है, जिस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नजर है। रसायन विज्ञान के छात्र इसे डब्ल्यू प्रतीक और 74 परमाणु संख्या से जानते हैं और इसे वोल्फ्राम भी कहा जाता है। अमेरिका के साथ ही चीन और रूस जैसी महाशक्ति भी इसे अपना बनाना चाहती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दरअसल, पिछले साल नवंबर में जब कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम जोमार्ट तोकायेव वाशिंगटन दौरे पर आए थे, तब अमेरिका और कजाकिस्तान के बीच एक अहम समझौता हुआ था। इस डील के तहत अमेरिकी कंपनी कोव काज कैपिटल ग्रुप को कजाकिस्तान की सरकारी माइनिंग फर्म के साथ एक जाइंट वेंचर में 70 फीसदी हिस्सेदारी दी गई। इस परियोजना से अमेरिका को हर साल हजारों मीट्रिक टन टंगस्टन मिलने की उम्मीद है, जिससे उसे चीन पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

म्यांमार की सीमा पर युद्ध जैसे हालात बांग्लादेश में शरणार्थी संकट की आशंका

ढाका

म्यांमार के रखाइन राज्य में तेज होती सैन्य झड़पों के बीच बांग्लादेश-म्यांमार सीमा पर तनाव बढ़ गया है। सीमा से लगे टेकनाफ और आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को आशंका है कि हिंसा के कारण रोहिंग्या शरणार्थियों की एक नई लहर बांग्लादेश की ओर रुख कर सकती है। स्थानीय निवासियों और रखाइन में रहने वाले अपने रिश्तेदारों के संपर्क में रहने वाले रोहिंग्या शरणार्थियों के अनुसार, पिछले दो दिनों से सीमा पार लगातार भारी गोलीबारी और विस्फोटों की आवाज़ें सुनाई दे रही हैं। बताया जा रहा है कि म्यांमार की सेना ने मौंगडाव, बुथिडांग और अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले अन्य क्षेत्रों में अपने सैन्य अभियान तेज़ कर दिए हैं। सीमावर्ती क्षेत्र शाह पोरिर द्वीप के निवासी शाह आलम ने बताया कि विस्फोट इतने शक्तिशाली थे कि घर भूकंप जैसी तीव्रता से हिलने लगे। हालांकि, बांग्लादेशी अधिकारियों ने उन खबरों की पुष्टि नहीं की है जिनमें दावा किया गया है कि बड़ी संख्या में रोहिंग्या नाफ नदी के किनारे बांग्लादेश में प्रवेश का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि सीमा पर हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

कॉक्स बाज़ार के बालूखाली शरणार्थी शिविर के एक रोहिंग्या सामुदायिक नेता ने बताया कि मौंगडाव में स्थिति बेहद गंभीर है और कई परिवार सुरक्षित स्थानों की तलाश में हैं। बांग्लादेश में पहले से ही 10 लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थी रह रहे हैं, जो म्यांमार में वर्षों से जारी हिंसा, विशेषकर 2017 के बड़े पलायन के दौरान, अपने घर छोड़कर आए थे। ऐसे में रखाइन में फिर से बढ़ती हिंसा ने सीमा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। टेकनाफ उपज़िला प्रशासन ने कहा है कि अब तक किसी नई घुसपैठ की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, बार्डर गार्ड बांग्लादेश ने नाफ नदी और अन्य संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। इस बीच, म्यांमार की सीमा पर बढ़ते संघर्ष का असर थाईलैंड पर भी पड़ा है। म्यांमार की सेना और करेन नेशनल लिबरेशन आर्मी के बीच संघर्ष के दौरान सीमा पार से हुई गोलीबारी में थाईलैंड के टाक प्रांत में कुछ घर क्षतिग्रस्त होने के बाद थाई प्रशासन ने सभी सीमा पार मार्ग अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिए हैं और अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए हैं।

लिथुआनिया में परमाणु हथियारों पर लगी संवैधानिक रोक हटाने का प्रस्ताव, संसद में संशोधन बिल पेश

विनियस

यूरोपीय देश लिथुआनिया की संसद (सेइमास) में परमाणु हथियारों की तैनाती पर लगी संवैधानिक रोक हटाने के लिए संविधान संशोधन का प्रस्ताव पेश किया गया है। इस प्रस्ताव को संसद के 141 में से 51 सांसदों का समर्थन प्राप्त है, जिससे इसे औपचारिक रूप से संसद में दर्ज कराया गया है।

प्रस्ताव के तहत संविधान के अनुच्छेद 137 को समाप्त करने की मांग की गई है। इस अनुच्छेद के अनुसार, लिथुआनिया में बड़े पैमाने पर विनाशकारी हथियारों और विदेशी सैन्य ठिकानों की तैनाती पर प्रतिबंध है।

यह पहल राष्ट्रपति गितानास नौसेदा के उस बयान के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने इस संवैधानिक प्रावधान को पुराना बताते हुए कहा था कि बदलते सुरक्षा हालात में देश को भविष्य के विकल्प खुले रखने चाहिए। संसदीय दलों के नेताओं के साथ बैठक के बाद नौसेदा ने कहा कि अधिकांश राजनीतिक दल अनुच्छेद 137 को पूरी तरह हटाने के पक्ष में हैं।

राष्ट्रपति का कहना है कि क्षेत्रीय सुरक्षा वातावरण लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है और लिथुआनिया को नाटो के भीतर किसी कमजोर कड़ी या ग्रे ज़ोन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने फिनलैंड का उदाहरण देते हुए कहा कि नाटो में शामिल होने के बाद वहां भी परमाणु हथियारों से जुड़े प्रतिबंधों में बदलाव किया गया है।

हालांकि, रूस ने लिथुआनिया और अन्य बाल्टिक देशों द्वारा जताई जा रही सुरक्षा चिंताओं को खारिज किया है। मास्को का कहना है कि नाटो देशों पर हमला करने का उसका कोई इरादा नहीं है और रूस के कथित खतरे का हवाला देकर पूर्वी यूरोप में सैन्य उपस्थिति बढ़ाई जा रही है।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अमेरिका नाटो के पूर्वी हिस्से के कुछ देशों में अपने परमाणु हथियारों की संभावित तैनाती पर विचार कर रहा है। रूस की सीमा से लगे कई देशों ने ऐसी तैनाती में रुचि भी दिखाई है।

यूरोप में बढ़ते सैन्यीकरण के बीच नाटो नेतृत्व सदस्य देशों से अपनी रक्षा तैयारियां मजबूत करने की अपील कर रहा है। वहीं रूस ने चेतावनी दी है कि यदि उसकी सीमाओं के निकट नाटो का परमाणु ढांचा स्थापित किया जाता है, तो उसे प्रत्यक्ष सैन्य खतरे के रूप में देखा जाएगा और उसके अनुरूप जवाब दिया जाएगा। साथ ही, रूस ने यह भी कहा है कि वह नाटो के साथ समानता के आधार पर बातचीत के लिए तैयार है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच-समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते आप परेशान होगें आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। खाली वक़्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी-पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। परिवार के साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़, थोड़ी छेड़-छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शांत और तनाव-रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता जरूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस-पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट-कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपनी शारीरिक-ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी-तोड़ मेहनत कर जल्द-से-जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा-सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान-फ़रामोशी इसे तार-तार कर देती है। ऐसे काम हाथ में लें, जो रचनात्मक प्रकृति के हैं। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 जुलाई 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी दोपहर 01:33 तक
नक्षत्र : शतभिषा सायं 03:13 तक
योग : आयुष्मान सायं 04:39 तक
करण : तैतिल दोपहर 01:33 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:46,सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49 सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड़ खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विधायक राजा सिंह ने दिल्ली में बाबा बागेश्वर को दी जन्मदिन की बधाई, दीर्घायु की कामना की

हैदराबाद, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर (हैदराबाद) से प्रखर हिंदूवादी विधायक राजा सिंह ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित प्रतिष्ठित भारत मंडपम में आयोजित एक भव्य समारोह में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने सनातन संस्कृति के प्रखर प्रवक्ता एवं पूज्य बागेश्वर धाम सरकार, परम पूज्य श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी के पावन जन्मोत्सव समारोह के विशेष अवसर पर उनसे आत्मीय मुलाक़ात की और उन्हें अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुलाकात के बाद विधायक राजा सिंह ने बागेश्वर पीठाधीश्वर के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा, मैं पूज्य बागेश्वर सरकार के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, यशस्वी एवं लोककल्याणकारी जीवन की हृदय से मंगलकामना करता हूँ। उन्होंने बाबा बागेश्वर द्वारा सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की। अपने संदेश के अंत में विधायक राजा सिंह ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा, प्रभु श्रीराम से यही करबद्ध प्रार्थना है कि पूज्य गुरुदेव का दिव्य मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद सदैव समस्त सनातन समाज पर इसी प्रकार बना रहे, ताकि वे समाज को सही दिशा दिखाते रहें। भारत मंडपम में हुई इस हाई-प्रोफाइल मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी खासी चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

केबीआर पार्क पर अन्नदान सेवा

हैदराबाद, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल एवं उमाकांत गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए मानव सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताया और भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया।

गुजरात साबरमती के रायजोनिक नमो: फ्लैट मे नवनिर्मित श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव मे उपस्थित घेवरचंद बंदामुथा, हेमराज बंदामुथा, मुकेश चौहान, हीराचंद मंडोत, प्रदीप मंडोत, प्रवीण बंदामुथा, पुष्पा जैन, वर्षा जैन , बहुमान के लाभार्थी एवं अन्य।

आईटी मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू, सरकारी सलाहकार वेणुगोपाल, सरकारी सचेतक विधायक विजया रमण राव, रामागुंडम विधायक ठाकुर मक्कन सिंह, पेद्दापल्ली जिला कलेक्टर कोया श्री हर्ष और अन्य जन प्रतिनिधियों ने पेद्दापल्ली कलेक्टरेट परिसर में नई एम्बुलेंस का उद्घाटन किया।

रामागुंडम कमिश्नरेट में सार्वजनिक स्थानों पर शराब, डीजे व ड्रोन पर रोक

पेद्दापल्ली, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने मंचेरियल और पेद्दापल्ली जोन में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने, डीजे साउंड सिस्टम और ड्रोन के उपयोग पर लगी रोक को 1 अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया है। इसके साथ ही कमिश्नरेट क्षेत्र में सिटी पुलिस एक्ट भी लागू कर दिया गया है।

सीपी झा ने कहा कि आम लोगों, विशेषकर महिलाओं को हो रही परेशानी को देखते हुए सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर रोक जारी रहेगी। शिकायतें मिली थीं कि कुछ लोग नशे में सड़कों-गलियों में अभद्रता और गाली-गलौज कर रहे हैं। इससे शांति भंग हो रही है। यह रोक 1 जुलाई से 1 अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगी और स्थिति के अनुसार अवधि बढ़ाई जा सकती है। उल्लंघन करने वालों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 और हैदराबाद सिटी पुलिस एक्ट, 1348 फसली के तहत कार्रवाई होगी।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि तेज आवाज वाले डीजे साउंड से ध्वनि प्रदूषण होता है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों, बीमारों और छात्रों को परेशानी होती है। इसलिए डीजे साउंड पर प्रतिबंध बढ़ाया गया है। किसी कार्यक्रम में माइक सेट के लिए संबंधित एसीपी से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा और सरकारी गाइडलाइन का पालन करना होगा।

बिना अनुमति ड्रोन उड़ाना भी प्रतिबंधित है। ड्रोन उपयोग के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों से पहले मंजूरी लेनी होगी। यह आदेश भी 1 अगस्त 2026 तक लागू रहेगा।

सीपी ने कहा कि 1 जुलाई 2026 सुबह 6 बजे से 1 अगस्त 2026 सुबह 6 बजे तक रामागुंडम कमिश्नरेट के पेद्दापल्ली और मंचेरियल जोन में सिटी पुलिस एक्ट, 1348 फसली की धारा 7(1), 22(1)(ए) से (ष), 22(2)(ए), (बी), 22(3) तथा पुलिस एक्ट-1861 की धारा 30 लागू रहेगी।

इस दौरान कमिश्नरेट सीमा में बिना पूर्व अनुमति के कोई धरना, रैली, जुलूस, सभा या बैठक आयोजित नहीं की जा सकेगी। बंद के नाम पर जबरन दुकानें व कार्यालय बंद कराने, दबाव बनाने या धमकाने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी।

पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने नागरिकों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

पेद्दापल्ली में सीएमआरएफ और कल्याण लक्ष्मी के 3.63 करोड़ के चेक वितरित

पेद्दापल्ली, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला मुख्यालय स्थित आरआर गार्डन में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में सरकारी व्हिप एवं विधायक विजयरामन राव ने लाभार्थियों को मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ), कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजना के चेक वितरित किए।

विधायक ने पेद्दापल्ली विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 578 सीएमआरएफ लाभार्थियों को कुल 2 करोड़ 62 लाख 64 हजार 750 रुपये के चेक सौंपे। इसके साथ ही पेद्दापल्ली मंडल व शहर के कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजना के 101 लाभार्थियों को 1 करोड़ 1 लाख 36 हजार 745 रुपये के चेक वितरित किए गए। इस तरह कुल 3 करोड़ 64 लाख 1 हजार 495 रुपये की सहायता राशि वितरित की गई।

इस अवसर पर विधायक विजयरामन राव ने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों को आर्थिक मदद दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र में बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती 348 मरीजों को एलओसी के जरिए अब तक 9 करोड़ 88 लाख 38 हजार 750 रुपये की सहायता देकर चिकित्सा खर्च का भरोसा दिलाया गया है।

एमएलए ने कहा कि कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक जैसी योजनाएं गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों की बेटियों के लिए वरदान साबित हो रही हैं। उन्होंने महिलाओं से

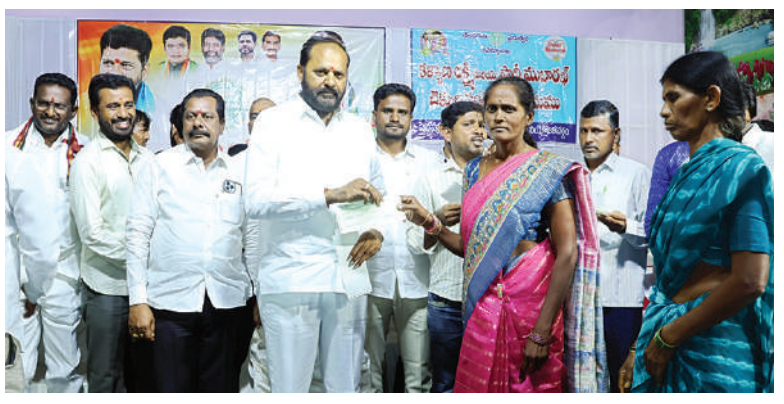

सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

विजयरामन राव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुफ्त बस सेवा, किसानों को बोनस, इंदिराम्मा आवास, नए राशन कार्ड, महीन चावल वितरण, 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि खरीफ सीजन की निवेश सहायता के रूप में पहली किस्त में 44.28 लाख किसानों के खातों में 2,482.02 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं। इस सीजन में 2.41 लाख मीट्रिक टन धान और 27 हजार मीट्रिक टन मक्का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है।

किसानों को 24 घंटे के भीतर भुगतान किया जा रहा है। यूरिया की कमी न हो, इसके लिए 25 हजार मीट्रिक टन का भंडारण किया गया है। विधायक ने किसानों से धान-मक्का के साथ-साथ अन्य फसलों और ऑयल पाम की खेती पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यूरिया के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता घटती है।

बोनस के लिए किसानों को बीपीटी, एचएमओ सोना, जय श्रीराम, तेलंगाना सोना, वारंगल-44, 1638, 7715 जैसी सात किस्मों की खेती करनी चाहिए।

चडअ ने कहा कि पिछले ढाई साल में पेद्दापल्ली जिले में शिक्षा, चिकित्सा और कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। कई सुधारों को राज्य स्तर पर सराहा गया है।

कार्यक्रम में जिला पुस्तकालय समिति के अध्यक्ष, पेद्दापल्ली नगरपालिका अध्यक्ष, कृषि बाजार समिति अध्यक्ष, पार्षद, सरपंच, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सतर्कता एसपी ने की कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी के दर्शन

पेद्दापल्ली, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। करीमनगर क्षेत्रीय सतर्कता एवं प्रवर्तन प्रभाग के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक जी. बसवारेड्डी ने शुक्रवार को जगतियाल जिले के प्रसिद्ध कोंडागट्टू श्री अंजनेय स्वामी मंदिर में दर्शन किए।

मंदिर पहुंचने पर अधिकारियों और पुजारियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनका स्वागत किया। एसपी बसवारेड्डी को मंदिर प्रशासन की ओर से विशेष दर्शन कराए गए। उन्होंने मंदिर में भगवान अंजनेय स्वामी की विशेष पूजा-अर्चना की। पूजा के उपरांत उप मुख्य पुजारी चिरंजीवी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उन्हें आशीर्वाद दिया और भगवान का शेषवस्त्र भेंट कर प्रसाद दिया। इस अवसर पर मंदिर पर्यवेक्षक सुनील, चंद्रशेखर, स्थानीय एसएसआई संदीप और मंदिर निरीक्षक चेकिला अशोक भी उपस्थित थे।

नशे से दूर रहें, मेहनत से भविष्य संवारें : डीसीपी भास्कर

मंचेरियाल, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के मंचेरियल जोन स्थित तांडूर थाना क्षेत्र के महात्मा ज्योतिबा फुले तेलंगाना बीसी वेलफेयर बालक विद्यालय का डीसीपी ए. भास्कर ने शुक्रवार को निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान डीसीपी ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं, जरूरतों और विद्यालय की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गांजा, ड्रग्स और अन्य सभी प्रकार के नशीले पदार्थों से पूरी तरह दूर रहना चाहिए। नशे की लत व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों पर गंभीर दुष्प्रभाव डालती है।

डीसीपी भास्कर ने छात्रों से अपील की कि वे अनुशासन और मेहनत के साथ पढ़ाई कर उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ें। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या या कठिनाई पर तुरंत शिक्षकों, छात्रावास वार्डन या अभिभावकों को जानकारी दें।

आवेश में आकर बिना बताए विद्यालय या छात्रावास न छोड़ें। उन्होंने कहा, कड़ी मेहनत और लगन से पढ़ाई कर उच्च शिक्षा व अच्छा रोजगार पाया जा सकता है। इससे आर्थिक प्रगति के साथ समाज में सम्मान और पहचान भी मिलती है। उन्होंने छात्रों से अपने माता-पिता, विद्यालय और गांव का नाम रोशन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर बेल्लमपल्ली एसीपी एस.वी. किरण कुमार, तांडूर सीआई देवैया, विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

पेद्दापल्ली में रोजगार मेला 8 को, 67 पदों पर होगी भर्ती

पेद्दापल्ली, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला रोजगार अधिकारी एम. राजशेखर ने शुक्रवार को बताया कि बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 8 जुलाई, बुधवार को एकीकृत जिला कलेक्टर कार्यालय (आईडीओसी), प्रथम तल, कमरा नंबर 233, पेद्दाकलवाला, पेद्दापल्ली में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने जानकारी दी कि कृषि विज्ञान उर्वरक कंपनी में कुल 67 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी।

इनमें 60 पद सेल्स एग्जीक्यूटिव, 4 पद फील्ड डेवलपमेंट ऑफिसर, 2 पद मानव संसाधन विभाग में तथा 1 पद ऑफिस बॉय का है। सभी पदों के लिए कार्यस्थल पेद्दापल्ली जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रहेगा।

इच्छुक अभ्यर्थी 8 जुलाई को सुबह 11 बजे तक अपने अद्यतन बायोडाटा, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्रों की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति तथा अनुभव प्रमाण पत्र (यदि हो) के साथ एकीकृत जिला कलेक्टर कार्यालय, प्रथम तल, कमरा नंबर 233, पेद्दाकलवाला, पेद्दापल्ली स्थित जिला रोजगार अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पंजीकरण कराएं।

गणेश पुराण के अनुसार भगवान गणेश का चूहा पूर्व जन्म में एक गंधर्व था

गणेश पुराण के अनुसार भगवान गणेश का चूहा पूर्व जन्म में एक गंधर्व था जिसका नाम क्रोंच था। एक बार देवराज इंद्र की सभा में गलती से क्रोंच का पैर मुनि वामदेव के ऊपर पड़ गया। मुनि वामदेव को लगा कि क्रोंच ने उनके साथ शरारत की है। इसलिए गुस्से में आकर उन्होंने उसे चूहा बनने का शाप दे दिया। उस शाप के कारण क्रोंच एक चूहा बन चुका था। लेकिन वह विशालकाय था। वह इतना विशाल था कि अपने रास्ते में आने वाली सभी चीज़ों को नष्ट कर देता था। ऐसे ही एक बार वह किसी तरह महर्षि पराशर के आश्रम में पहुँच गया। वहाँ पहुँच कर उसने अपनी आदत के अनुसार मिट्टी के सारे पात्र तोड दिये। इतना ही नहीं वह वहाँ उत्पात मचाने लगा। उसने आश्रम की वाटिका उजाड डाली और सारे वस्त्रों और ग्रंथों को कुतर दिया। उस समय महर्षि के आश्रम में भगवान गणेश भी आये हुए थे। महर्षि पराशर ने यह बात गणेश जी को बताई। भगवान गणेश ने तब उस मूषक को सबक सिखाने की सोची। उन्होंने मूषक को पकडने के लिये अपना पाश फेंका। पाश मूषक का पीछा करता हुआ पाताल लोक तक पहुँचा। वह पाश मूषक के गले में अटक गया। पाश की पकड से मूषक बेहोश हो गया था। मूषक पाश में घिसटता हुआ भगवान गणेश के सम्मुख उपस्थित हुआ। जैसे ही उसे होश आया उसने अपने आप को भगवान गणेश के सम्मुख पाया। बिना देरी किये मूषक ने गणेश जी की आराधना शुरू कर दी और अपने प्राणों की भीख मांगने लगा। गणेश जी मूषक की आराधना से प्रसन्न हो गए और उससे कहा कि , 'तुमने लोगों को बहुत कष्ट दिया है। मैंने दुष्टों के नाश एवं साधु पुरुषों के कल्याण के लिए ही अवतार लिया है, लेकिन शरणागत की रक्षा भी मेरा परम धर्म है, इसलिए जो वरदान चाहो माँग लो।'

यह सुनकर वह उत्पाती मूषक अहँकार से भर उठा और भगवान गणेश से बोला, 'मुझे आपसे कुछ नहीं चाहिए, लेकिन यदि आप चाहें तो मुझसे वर की याचना कर सकते हैं।' मूषक की गर्व भरी वाणी सुनकर गणेश जी मन ही मन मुस्कुराये और कहा, 'यदि तेरा वचन सत्य है तो तू मेरा वाहन बन जा। मूषक ने बिना देरी किये 'तथास्तु' कह दिया।गणेश जी मुस्कुराते हुए तुरंत उस पर सवार हो गए।अब भारी-भरकम गजानन के भार से दब कर मूषक के प्राण संकट में आ गये। तब उसने गजानन से प्रार्थना की कि वे अपना भार उसके वहन करने योग्य बना लें। इस तरह मूषक का गर्व चूर कर गणेश जी ने उसे अपना वाहन बना लिया। यही कारण है कि आज भी लोग अपने घरों में चूहों के उत्पात मचाने पर भगवान गणेश को याद करते हैं।

40 करोड़ वर्ष पुरानी इस गुफा में गणेश जी के बड़े भाई मुरुगन रहते हैं

सांस्कृतिक विविधता वाला देश मलेशिया यूं तो एक मुस्लिम बहुल राष्ट्र है, लेकिन अन्य धर्मो के प्रति यह हमेशा उदार रहा है। यहां मलय, चीनी व भारतीय सभ्यताओं का अद्भुत मिश्रण है। पारंपरिक शैली में बनी मस्जिदें हों या बौद्ध मंदिर सभी पर्यटकों के बीच आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहते हैं। ऐसा ही एक दर्शनीय स्थल है बाटु केव्स (बाटु गुफाएं) जो हिंदुओं की आस्था व मान्यताओं का केंद्र है। प्राचीन समय में नजदीक से गुजरने वाली एक नदी सुंगई बातु (पथरीली नदी) के नाम पर ही इन गुफाओं का नाम बाटु केव्स पड़ा। राजधानी कुआलालंपुर से महज 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित चूना पत्थर (लाइमस्टोन) की ये गुफाएं लगभग 40 करोड़ वर्ष पुरानी हैं। इन्हीं में से सबसे बड़ी प्रमुख गुफा में स्थित है भगवान मुरुगन(कार्तिकेय जी) यानी भगवान श्री गणेश जी के बड़े भाई का प्राचीन मंदिर।

यह मंदिर सतह से करीब 400 फुट की ऊंचाई पर बना 113 वर्ष पुराना है। मंदिर तमिल हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालु 272 सीढ़ियां चढ़कर गुफा तक पहुंचते हैं। च्मंदिर को चारों तरफसे घेरे हुए चूना पत्थर के पहाड ऊपर से संकरे होते चले जाते हैं। पहाडों की ऊंचाई और चट्टानों के बीच से जगह पाकर निकल आए पेड़ों की वजह से सूरज की रोशनी मंदिर परिसर तक बहुत ही कम पहुंच पाती है। बारिश के मौसम में पेडों से छन कर गिरने वाली बारिश की बूंदे अद्भुत नजारा पेश करती हैं। गुफा पूरी तरह से प्राकृतिक अवस्था में है। हालांकि कृत्रिम प्रकाश द्वारा रोशनी की गई है। मंदिर तक पहुंचने के लिए 1920 तक लकड़ी से बनी सीढ़ियां थी जिन्हें बाद में सीमेंट से पक्का कर दिया गया। ये गुफाएं पर्यटकों के लिए प्रतिदिन खुलती हैं। यहां आने वाले लोग गुफाओं व मंदिर के इतिहास के बारे में यहां लगी अनेक पट्टिकाओं द्वारा जान सकते हैं।

श्रीकृष्ण के वचन...

श्रीमद्भगवद्गीता में हमें जीवनोपदेशक कृष्ण के दर्शन होते हैं। गीता जयंती पर जानें गीता में कृष्ण के कुछ उपयोगी वचन हे अर्जुन। तेरा कर्म करने में ही अधिकार है, उसके फलों में नहीं। इसलिए तू कर्मों के फल का हेतु न बन तथा तेरी कर्म न करने में भी आसक्ति न हो। विषयों का चिंतन करते रहने से मनुष्य के मन में उनके प्रति आसक्ति पैदा होती है, जो चाह को जन्म देती है। इससे क्रोध उत्पन्न होता है। क्रोध से चित्त में मोह उत्पन्न होता है, मोह से स्मृति-विभ्रम पैदा हो जाता है। स्मृति के लोप से उचित-अनुचित का विचार करने वाली बुद्धि नष्ट हो जाती है और बुद्धि के नाश से स्वयं मनुष्य का ही नाश हो जाता है। जो मूढ़बुद्धि इंद्रियों को हठपूर्वक रोक कर मन से उनका चिंतन करता है, वह मिथ्याचारी है। जो इंद्रियों को मन से संयत कर निरासक्त होता है, वही कर्मयोग का आचरण श्रेष्ठ है। जो सब भावों में द्वेष भाव से रहित, स्वार्थ रहित, सबका प्रेमी और हेतु रहित दयालु है तथा ममता व अहंकार से रहित सुख-दुख में समान और क्षमावान है, निरंतर संतुष्ट है, मन सहित शरीर को वश में किए है और दृढ़ निश्चय वाला है, वह भक्त मुझको प्रिय है। मन की प्रसन्नता, शांत भाव, भगवत चिंतन का स्वभाव, मन का निग्रह और अंत:करण के भावों की पवित्रता मन संबंधी तप कहे जाते हैं।

हनुमान ने नहीं,

देवी के इस श्राप ने किया था लंका को भस्म

लंका स्वर्ण से बनी नगरी थी ।इस बनाने का आदेश भगवान शिव ने विश्वकर्मा को दिया था । लेकिन ऐसा क्या हुआ था जिससे भगवान शिव को लंका नगरी बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा था । एक बार भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी भ्रमण के लिए कैलाश पर्वत पहुँचे । दोनों को आता देख भगवान शिव विहल हो उठे । उन्होंने अपने कमर पर लिपटे गजचर्म को अपने सर्प से कौपीन (कमरबंद) की भाँति लपेट लिया । नजदीक आते ही भगवान शिव ने विष्णु को गले से लगा लिया । परंतु गरूड़ को देखकर शिव-सर्प संकुचित हो गया जिससे उनकी कौपीन खिसक कर गिर गई । भगवान शिव को नग्न अवस्था में देख लक्ष्मी और पार्वती बडी लज्जित हुई और सिर झुकाकर खड़ी हो गई । स्थिति सामान्य होते ही शिव विष्णु से और लक्ष्मी पार्वती से बातें करने लगी । उस दौरान लक्ष्मी शीत से ठिठुर रही थी। जब उनसे न रहा गया तो उन्होंने पार्वती से कहा कि आप राजकुमारी होते हुए भी इस हिम-पर्वत पर इतने ठंड में कैसे रह रहीं हैं। कुछ दिन बीतने के बाद भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के निमंत्रण पर भगवान शिव और पार्वती बैकुण्ठ गए। वहाँ मोतियों की माला और अन्य वैभव देख पार्वती चकित हुए बिना न रह सकी। बातचीत के दौरान लक्ष्मी जी ने कैलाश पर शीत से ठिठुरने वाली घटना का ज़िक्र कर दिया। लक्ष्मी की बात को व्यंग्य समझ माता पार्वती आहत हो गई और भगवान शिव से अपने लिए भी घर बनाने की ज़िद करने लगी । उसके पश्चात शिव ने विश्वकर्मा को सुवर्ण जडित दिव्य भवन निर्मित करने को कहा । विश्वकर्मा ने शीघ्र ही लंका नगर की रचना की जो शुद्ध सोने से बनी थी । पार्वती के निवेदन पर उस नगर का प्रतिष्ठा महोत्सव मनाया गया जिसमें समस्त देवी देवताओं को बुलाया गया । विश्रवा नामक महर्षि ने उस नगर की वास्तुप्रतिष्ठा की। पार्वती ने लक्ष्मी को अपना भवन विशेष चाव से दिखाया। लेकिन जब भगवान शिव ने महर्षि विश्रवा से दक्षिणा माँगने को कहा तो उन्होंने वो नगरी ही माँग ली । शिव ने तत्काल ही स्वर्णनगरी उन्हें दक्षिणा में दे दी। इससे पार्वती बड़ी क्रोधित हुई और उन्होंने विश्रवा को श्राप देते हुए कहा कि तेरी यह नगरी भस्म हो जाए। पार्वती के श्राप के कारण ही रावण द्वारा रक्षित वह लंका हनुमान ने फूंक डाली थी।

क्यों चुना गया कुरुक्षेत्र की भूमि को महाभारत युद्ध के लिए

माना जाता है कि स्थान और परिवेश के अनुसार व्यक्ति की मनोस्थिति बनती और बिगडती है। हम सभी जानते हैं कि महाभारत में धर्म और अधर्म की लडाई कुरुक्षेत्र में लड़ी गई, पर क्या आपको पता है कि इस लडाई के लिए कुरुक्षेत्र की भूमि को क्यों चुना गया महाभारत के युद्ध के लिए कुरुक्षेत्र के मैदान को चुने जाने का निर्णय भगवान श्री कृष्ण जी का था। भगवान श्रीकृष्ण के इस निर्णय के पीछे एक अद्भुत कहानी है। जब महाभारत के युद्ध को टालना मुश्किल हो गया तब भगवान श्री कृष्ण के ऊपर युद्ध के लिए भूमि का चुनाव करने का जिम्मा आ गया। श्रीकृष्ण एक ऐसी युद्ध भूमि चाहते थे जिसका इतिहास बहुत ही भयभीत और कठोर रहा हो। भगवान श्रीकृष्ण को भय इस बात के लिए था कि कहीं युद्ध भूमि में कौरव और पांडव एक दूसरे को मरते देखकर कहीं सन्धि न कर बैठें इसलिए ऐसी भूमि युद्ध के लिए चुननी चाहिए, जहाँ क्रोध और द्वेष का इतिहास रहा हो। श्री कृष्ण जानते थे यह युद्ध धर्म के लिए लड़ा जा रहा है जहाँ दोनों ओर अपने ही परिवार के लोग होंगे। यह युद्ध भाई-भाइयों, गुरु-शिष्य, सम्बन्धी-कुटुम्बियों के बीच का है इसलिए श्रीकृष्ण का विचार था कि योद्धाओं के मन में एक-दूसरे के प्रति कठोरता का भाव शिखर पर हो। इस विचार से श्रीकृष्ण जी ने अनेक दूतों को विभिन्न दिशाओं में भेजा ताकि वह युद्ध के लिए भयभीत और कठोर भूमि का पता लगा सकें।

वापस आने के बाद एक दूत ने सुनाया कि- एक स्थान है जहाँ बड़े भाई ने छोटे भाई को खेत की मेंड़ से बहते हुए मेघ के पानी को रोकने के लिए कहा। छोटे भाई ने बड़े भाई से एतराज जताया और उलाहना देते हुए कहा कि- आप ही क्यों नही बंद कर देते हैं। मैं आपका गुलाम नहीं हूँ। यह सुन बड़े भाई क्रोधित हुए। आवेश में आकर बड़े भाई ने छोटे भाई को छुरे से मार दिया। बड़े भाई ने क्रूरता की सारी हदे पार कर अपने छोटे भाई की लाश को घसीटते हुए उस मेंड़ के पास ले गए, और उस लाश को पैर से कुचलकर बहते पानी को रोक दिया। यह सुनकर श्रीकृष्ण ने निश्चय किया कि यह भूमि भाई-भाई के युद्ध के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है।

इस स्थान का इतिहास योद्धाओं के मस्तिष्क पर हावी हो जायगा। यह स्थान कोई और नहीं केुरुक्षेत्र ही था। यही वह स्थान था जहाँ बड़े-बड़े सूर-वीरों का अंत होना था। महाभारत की इस कथा से स्पष्ट होता है कि शुभ और अशुभ विचारों एवं कर्मों के संस्कार भूमि या स्थान में देर तक समाये रहते हैं।

कौन से पक्षी को क्या व क्यों खिलाए जिससे हमें धन; वैभव प्राप्त हो

ऋषि-मुनि , संत-महात्मा सही कह गए हैं कि पशु-पक्षियों को दाना-पानी खिलाने से मनुष्य के जीवन में आने वाली कई परेशानियों से छुटकारा आसानी से मिल जाता है। एक ओर जहां हम प्रभु की भक्ति के कृपा पात्र बनते हैं वहीं हमें अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही पुण्य-लाभ भी प्राप्त होता है। साथ ही यह पर्यावरण के लिए जरूरी है। अगर आपके मन में भी दिनभर बेचैनी रहती है। आपके काम ठीक समय पर पूरे नहीं हो रहे हैं। पारिवारिक क्लेश नियमित रूप से चलता रहता है। स्वास्थ्य ठीक नहीं है आदि तो निश्चित ही आपको पक्षियों को दाना खिलाने से आनंद की प्राप्ति होगी और कष्ट दूर हो जाएंगे। चींटी, चिड़ियों, गिलहरियां, कबूतर, तोता, कौआ और अन्य पक्षियों के झुंड और गाय, कुत्तों को नियमित दाना-पानी देने से आपको मानसिक शांति प्राप्त होगी।

परिंदों की भूख मिटाएं, ग्रह पीड़ा हटाएं-कुंडली में यदि राहु-केतु की महादशा हो तो पशु-पक्षियों को बाजरा डालना चाहिए। पशु-पक्षियों को ज्वार खिलाने से शुक्र ग्रह की पीडा दूर होती है। गेहूं खिलाने से सूर्य की पीड़ा दूर होती है। चावल से मानसिक परेशानियां दूर होकर मानसिक शांति मिलती है। मूंग की दाल से बुध ग्रह से होने वाली परेशानियों से निजात पाई जा सकती है।

चने की दाल से गुरु की कृपा प्राप्त होती है। कौओं और कुत्तों को ग्रास देने से शनि, राहु और केतु प्रसन्न होते हैं। गिलहरियों को बाजरा, बिस्किट, रोटी खिलाने से जीवन में आने वाली हर कठिनाई से आसानी मुक्ति मिल जाती है।

मन से नकारात्मक विचारों को ऐसे करें छूमंतर

अपने आस-पास मौजूद नकारात्मक ऊर्जा को रोकना मुश्किल है, लेकिन यदि सकारात्मक बन जाएं तो नकारात्मक ऊर्जा को आसानी से खत्म कर सकते हैं। इसके लिए कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

» किसी से अधिक अपेक्षा न रखें: मन मुताबिक दूसरों से काम की अपेक्षा रखना आपको निराश ही करेगा इसलिए लोगों से न्यूनतम अपेक्षाएं रखें।

» छोटी-छोटी सफलताओं की खुशियां मनाएं: दिनभर में जो छोटी सफलताएं आपने प्राप्त की हैं उनका जश्न मनाएं। दूसरों के प्रति भी अधिक आलोचना भरा नजरिया न रखें और उनके छोटे-छोटे प्रयासों की सराहना करें।

» आलोचना से बनाएं दूरी: नकारात्मक टिप्पणियों, आलोचनात्मक दृष्टिकोण को व्यक्तिगत रूप से न लें। दूसरों की हताशा का असर खुद पर न प?ने दें। दूसरों की हताशा और गुस्से पर अगर आप कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे तो उसका फायदा आपको अपने व्यक्तित्व में दिखाई देगा।

» रहें छींटाकशी से दूर: अगर आप किसी ऐसी जगह हैं जहां लोग नकारात्मक टिप्पणियों या छींटाकशी में रस ले रहे हों या फिर दूसरों का उपहास कर रहे हों तो ऐसी जगह और स्थिति से खुद को बाहर निकालना ही ठीक है।

» न हों प्रतिक्रियाओं पर गंभीर: नकारात्मक प्रतिक्रियाओं को आपकी राह की बाधा न बनने दें। हमेशा ऐसे लोगों की बातों को भुलाने के लिए खुद को किसी सकारात्मक गतिविधि के साथ जोड़े।

अपने आस-पास मौजूद नकारात्मक ऊर्जा को रोकना मुश्किल है, लेकिन यदि सकारात्मक बन जाएं तो नकारात्मक ऊर्जा को आसानी से खत्म कर सकते हैं। इसके लिए कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

» किसी से अधिक अपेक्षा न रखें: मन मुताबिक दूसरों से काम की अपेक्षा रखना आपको निराश ही करेगा इसलिए लोगों से न्यूनतम अपेक्षाएं रखें।

» छोटी-छोटी सफलताओं की खुशियां मनाएं: दिनभर में जो छोटी सफलताएं आपने प्राप्त की हैं उनका जश्न मनाएं। दूसरों के प्रति भी अधिक आलोचना भरा नजरिया न रखें और उनके छोटे-छोटे प्रयासों की सराहना करें।

» आलोचना से बनाएं दूरी: नकारात्मक टिप्पणियों, आलोचनात्मक दृष्टिकोण को व्यक्तिगत रूप से न लें। दूसरों की हताशा का असर खुद पर न प?ने दें। दूसरों की हताशा और गुस्से पर अगर आप कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे तो उसका फायदा आपको अपने व्यक्तित्व में दिखाई देगा।

» रहें छींटाकशी से दूर: अगर आप किसी ऐसी जगह हैं जहां लोग नकारात्मक टिप्पणियों या छींटाकशी में रस ले रहे हों या फिर दूसरों का उपहास कर रहे हों तो ऐसी जगह और स्थिति से खुद को बाहर निकालना ही ठीक है।

» न हों प्रतिक्रियाओं पर गंभीर: नकारात्मक प्रतिक्रियाओं को आपकी राह की बाधा न बनने दें। हमेशा ऐसे लोगों की बातों को भुलाने के लिए खुद को किसी सकारात्मक गतिविधि के साथ जोड़े।

शेविंग करने से पहले यह 10 टिप्स पढ़ लें

कई लोगों के लिए शेविंग काफी तकलीफदेह होती है। उन्हें या तो शेविंग करने का सही तरीका नहीं मालूम, या फिर जल्दबाजी में वो खुद को नुकसान पहुंचा लेते हैं। तो आइए हम आपको शेविंग करने के 10 परफेक्ट तरीके बताते हैं।

1. सबसे पहले चेहरे को धोएं

शेविंग करने से पहले चेहरे को साफ पानी से धोना चाहिए। कभी भी सीधे शेविंग क्रीम नहीं लगानी चाहिए। चेहरा अगर अच्छी तरह से धुला होगा, तो इसमें खरोंच लगने की स्थिति में इंफेक्शन नहीं होगा।

2. दाढ़ी को कैसे बनाएं मुलायम

अगर आप चाहते हैं कि शेविंग करते समय आपकी दाढ़ी मुलायम बनी रहे। तो फेसक्लोथ को गर्म पानी में 30 सेकेंड तक भिगोकर रखें। उसके बाद दाढ़ी पर लगाएं। इससे त्वचा और बालज मुलायम बन रहेंगे।

3. कैसे लगाएं शेविंग क्रीम

शेविंग क्रीम को सीधे दाढ़ी पर नहीं लगाना चाहिए। क्रीम को हथेली पर लेकर चेहरे और गले पर अपवर्ड सर्कुलर मोशन में अच्छे से लगाएं। क्रीम हर उस जगह लगनी चाहिए, जहां आप शेविंग करना चाह रहे हैं। गालों पर आंखों के नीचे क्रीम न लगाएं।

4. दाढ़ी के ऊपरी हिस्से की शेविंग

शेविंग करते समय रेजर को इधर-उधर कहीं भी न घुमा दें। दाढ़ी के ऊपरी हिस्से की शेविंग के लिए दाढ़ी के ऊपर से जॉ-लाइन तक लंबा स्ट्रोक लें।

5. गले और चिन की शेविंग करना

चिन और गले की शेविंग के लिए गले के निचले हिस्से से ऊपर की दिशा में शेविंग करें। इससे रेजर बर्न और इनग्रोन हेयर की समस्या नहीं होगी।

6. क्लोजर शेव

क्लोजर शेव पाने के लिए आप अपने हाथ से त्वचा को चुस्त कर सकते हैं। इससे परफेक्ट शेविंग का मजा ले सकते हैं।

7. ऊपरी होंठ की शेविंग

होंठ के ऊपर की शेविंग करते समय काफी सावधानी रखनी पड़ती है। क्योंकि जरा सी लापरवाही आपके होंठ को काट सकती है। इस मामले में सामने के दांतों के जरिए फैलाकर होंठों को कसें। अब ऊपर से नीचे की दिशा में शेविंग करें।

8. रेजर को धोना भी जरूरी

दाढ़ी बनाते समय रेजर को समय-समय पर धोते रहें। हर स्ट्रोक के बाद रेजर को धांए ताकि बालों के जरिए यह जाम न हो जाए।

9. टच अप्स

चेहरे से अतिरिक्त शेविंग क्रीम को गर्म पानी से धो लें और उस जगह को ढूंढने की कोशिश करें। जहां पर शेविंग क्रीम न लगा हो। अपने रेजर को गीला करके इस हिस्से की शेविंग करें। ताकि आपकी दाढ़ी में कोई बाल छूट न जाए।

10. ऑफ्टरशेव का न करें प्रयोग

शेविंग के बाद अक्सर लोग ऑफ्टरशेव लगा लेते हैं। यह नहीं लगाना चाहिए क्योंकि ऑफ्टरशेव में एल्कोहल होता है और यह त्वचा को ड्राइ कर देता है। ऐसे में संभव हो, तो ऐसे टोनर को प्रयोग करें जिसमें विटामिन और ऐलो का अर्क हो।

गुड़ और चना साथ में खाने के 4 फायदे

गुड़ सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में आयरन पाया जाता है। इसके सेवन से खून साफ होता है और यह शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ाता है। इसमें सोडियम, विटामिन, पोटेशियम, मिनरल्स और कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। चना आपके शरीर से गंदगी को दूर करता है। यह डाइबिटीज, एनीमिया आदि की परेशानियां दूर करने में बहुत सहायक है। इन दोनों को साथ में खाने से अधिक लाभ मिलता है।

1. हड्डियों के लिए फायदेमंद

इसमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसका रोजाना सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती है। गठिया के रोगियों के लिए ये बहुत ही फायदेमंद है।

2. मजबूत दांत

इसमें फास्फोरस का मात्रा काफी अधिक होती है। इससे दांत मजबूत होते हैं और ये हर उम्र के लोगों के लिए साभकारी है।

3. तेज दिमाग

यह बच्चों के लिए काफी अच्छा आहार है। इसका सेवन करने से दिमाग तेज होता है क्योंकि इसमें विटामिन सी काफी मात्रा में पाया जाता है। इसलिए बच्चों को स्नैक्स में चने और गुड़ खाने की आदत डालें।

4. खूबसूरती निखारे

इसमें जींक अधिक मात्रा में पाया जाता है। नियमित रूप में इसका सेवन करने से त्वचा में काफी निखार आता है और त्वचा को धूप से होने वाले नुकसान से भी बचाता है।

सुझाव

वेजिटेरियन्स अच्छी बॉडी बनाने में सहायक

जब भी बॉडी बिल्डिंग की बात आती है ।तो हमें एक बहुत बड़ा मिथ सुनने को मिलता है कि अच्छी बॉडी केवल नॉन वेजिटेरियन (मांसाहारी) से ही बन सकती है। मगर ऐसा बिल्कुल भी नही हैं, क्यों कि भारत में कई ऐसे बॉडीबिल्डर और पहलवान हुए हैं । जो शाकाहारी रहकर अच्छी बॉडी बना पाने में सफल ही नही रहे बल्कि, उन्होंने दुनिया में अपना नाम किया है। तो शाकाहारी रहकर अगर आप भी अच्छी बॉडी पाना चाहते हैं तो हम आपको 5 ऐसे फूड के बारे में बता रहें जिन्हें आप ट्राई कर सकते हैं।

अश्वगंधा

अश्वगंधा ऐसी जड़ी-बूटी है । जो दुनिया भर में फेमस है। इसे शक्तिवर्धक हर्बस के तौर पर भी जाना जाता है। यह टेस्टोस्टेरॉन लेवल को प्राकृतिक रूप से बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति की शारीरिक ताकत बढ़ती है और मसल्स टोन भी बढ़ती है। यह कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल कर हृदय संबंधी समस्याओं को दूर करता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और स्ट्रेस लेवल को कम करता है।

सतावरी

सतावरी में फाइबर, फोलिक एसिड, विटमिन ए, सी और ई भरपूर मात्रा में पाई जाती है। यह एक एंटीऑक्सीडेंट हर्बस है। सेल डैमेज को सही करता है। सतावरी में हाई लेवल एमीनो एसिड पाया जाता है। जो शरीर से अतिरिक्त पानी और नमक को यूरीन के रास्ते से बाहर करता है, इससे बॉडी बनाने में सहायता मिलती है।

बीन्स

बीन्स में किसी भी हरी सब्जियों से कहीं ज्यादा प्रोटीन और सॉल्यूबल फाइबर्स होते हैं। लेकिन एमिनो एसिड चेन पूरे न होने के कारण इसका प्रोटीन अधूरा होता है, अगर बीन्स को ब्राउन राइस के साथ खाया जाए तो यह पूरा हो जाता है। हैवी वर्कआउट के बाद इसे ले सकते हैं।

लो फैट मिल्क और मिल्क प्रोडक्ट

यह व्हे प्रोटीन और कैसिइन प्रोटीन बहुत अच्छा जरिया होता है। व्हे प्रोटीन एग प्रोटीन के मुकाबले ज्यादा अच्छा होता है। जबकि कैसिइन प्रोटीन थोड़ा स्लो डाइजेस्टिव प्रोटीन होता है जो व्हे प्रोटीन के साथ मिलकर पॉजिटिव नाइट्रोजन को बॉडी में बैलेंस करता है और बॉडी में लंबे समय से प्रोटीन की जरूरत को पूरा करता है, जिससे बॉडी बिल्डिंग में मदद मिलती है।

पीनट बटर

यह प्रोटीन का बहुत अच्छा जरिया है । जो कि मसल्स बनाने और उसकी मरम्मत करने के लिए बहुत अच्छा होता है। इसमें मोनो और पॉलीसेचुरेटेड फैट्स पाए जाते हैं जो मसल्स के लिए बहुत फायदेमंद है। एक हैवी वेट वर्कआउट के बाद इसे ले सकते हैं। इसके अलावा ड्राई फ्रूड और केले का भी सेवन मसल्स बनाने के लिए किया जा जाता है।

रहना है स्वस्थ, तो छोड़ दें अपनी इन चार बुरी आदतों को...

उतार-चढ़ाव भरे मौसम में हमारे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो जाती है. मौसम में ठंडा पानी, कोल्ड ड्रिंक्स और एसी की आदतों को नहीं छोड़ पाते, जिससे सर्दी-जुकाम की गिरफ्त में आ जाते हैं. अक्सर देखने में आता है कि हम तेज धूप और गर्मी से पसीने में लथपथ आते हैं और एसी, कूलर या पंखे के सामने बैठ जाते हैं या बाहर से आकर फ्रिज का ठंडा पानी पी लेते हैं. इससे सर्द-गर्म होने का खतरा बढ़ जाता है. तो आज से ही उन गलत आदतों को छोड़ दें, जो आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं.

सफाई का रखें ध्यान

किसी भी तरह के संक्रमण से बचने के लिए हाथों को साबुन से धोएं. आपकी साफ-सफाई संक्रमण को रोकने में मददगार साबित होगी. मौसम में बदलाव आने पर रात को सोते वक्त नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे और भाप लेने की आदत डालें. किसी भी तरह की परेशानी होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें.

तला भुना खाने से बचें

इस मौसम में बाहर का, बासी, तला-भुना, मिर्च-मसाले वाला कुछ भी खाने से बचें. खूब पानी पीएं और घर का बना हल्का भोजन ही

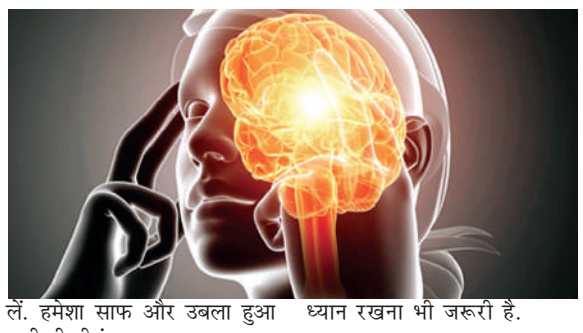

लें. हमेशा साफ और उबला हुआ पानी ही पीएं.

संक्रमित व्यक्ति से दूर रहें

कोशिश करें की आप किसी भी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में न आएं. यह थोड़ा सा कठिन हो सकता है, लेकिन आपके लिए अच्छा है. अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आना भी पड़े तो साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें. दोस्ती और प्यार अपनी जगह है, लेकिन स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है.

नींद पूरी न लेना

अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो काम को बहुत अधिक तवज्जोह देते हैं और अपनी नींद पूरी नहीं करते तो आपकी यह आदत ठीक नहीं. एक स्वस्थ शरीर आप तभी पा सकते हैं, जब आपकी नींद पूरी हो. आपको कम से कम आठ घंटे की पूरी नींद लेने की आदत डालनी चाहिए.

पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये उपाय

हर कोई चाहता है कि वो सबसे सुंदर दिखे लेकिन गर्मियों में ऑयली स्किन होने के कारण चेहरे पर पिंपल्स हो जाते हैं। इसके लिए लोग कई ट्रीटमेंट और ब्यूटी प्रोडक्ट का सहारा लेते हैं। फिर भी कई बार इससे कोई फायदा नहीं होता। ऐसे में आप इन घरेलू उपायों को अपना सकते हैं।

1. लहसुन और शहद

1 चम्मच शहद और 1 चम्मच लहसुन को मिक्स कर चेहरे पर लगाएं। इसे चेहरे पर 20 मिनट लगाएं। पिंपल्स से छुटकारा मिलगा।

2. नीम और गुलाब जल

नीम के पत्तों और गुलाब जल को पीस कर पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद पानी से धो लें।

3. ऐलोवेरा और हल्दी

ऐलोवेरा जैल में एक चुटकी हल्दी मिला कर चेहरे पर लगाएं और सूखने पर धो लें।

4. नीम और शहद

नीम के पत्तों को पीस कर पेस्ट तैयार करें। फिर इसमें 1 चम्मच नीम का पेस्ट और 1 चम्मच शहद मिला कर चेहरे पर लगाएं।

5. नींबू और टमाटर

2 चम्मच बेसन, टमाटर का रस और नींबू को मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और सूखने पर पानी से धो लें।

रेसिपी

कलाकंद

सामग्री

एक कप पनीर,
दस चम्मच मिल्क पाउडर
एक चौथाई कप चीनी
एक कप मलाई
एक चम्मच इलायची पाउडर
बारह बादाम-पिस्ता

विधि

एक बाउल में पनीर, मिल्क पावडर, चीनी, मलाई, इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें। फिर एक कढ़ाई में इस मिश्रण के डालकर धीमी आंच में 30 मिनट तक पकाए जब तक यह गाढ़ा न हो जाए।जी यह बन जाए तो उसे एक बड़ी प्लेट में निकाल लें और उसमें यह मिश्रण पलट कर इसे चाकू की सहायता से मनचाहें आकार में काट लें और ऊपर से इसमें बादाम और पिस्ता का बारीक टुकड़े काट कर डाल दें। आपकी कलाकंद बनकर तैयार हो गई। ठंडा होने के बाद इसे अपनी परिवार और दोस्तों के साथ इसका मजा लें।

टेस्टी कोकोनट कबाब

सामग्री

2-3 गाजर कटी हुई, दो आलू कटे हुए
तीन अंडे, एक चम्मच बारीक कटी हुई हरी मिर्च
एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चम्मच काली मिर्च पाउडर, एक चम्मच मेथी दाना, एक कप मैदा
एक कप कद्दूकस किया हुआ नारियल, ऑयल तलने के लिए

विधि

सबसे पहले सभी सब्जियां को एक गहरे पैन में डाले और आवश्कतानुसार पानी डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। उबलने के बाद इसमें हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर और मेथी दाने डालकर अच्छी तरह से मैश करके मिला लें।इसके बाद अपने हाथों में थोड़ा सा तेल लगाकर इस मिश्रण से टिक्कियां बना लें। इसके बाद एक बाउल में अंडा डालकर फैट लें और इसमें मैदा डाल कर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।आपने जो टिक्कियां तैयार की है उन्हें अंडे और मैदे के इस मिश्रण में डिप करें और फिर इन्हें कद्दूकस किए हुए नारियल से लपेटकर तलने के लिए तैयार कर लें।अब एक कढ़ाई में तेल डालकर गर्म करें। जब गर्म हो जाएं तो आंच धीमी करके इसमें टिक्कियां डाल दें और दोनों साइड से गोल्डन ब्राउन होने तक तलें। आपके कोकोनट कबाब बनकर तैयार है।

घर या ऑफिस जब जमा हो जाए कबाड़ तो रहें सावधान

घर में साफ-सफाई होना बेहद जरूरी है। वह इसलिए कि इससे बीमारियां नहीं पनपती हैं और दूसरी बात यह कि घर में सकारात्मक माहौल बना रहता है। जब घर में ऐसी कई वस्तुएं एकत्रित हो जाती हैं। जो किसी काम की नहीं तो उन्हें जरूरतमंद लोगों को या फिर कबाड़ खरीदने वाले लोगों को बेच कर मुनाफा कमा लेना चाहिए।
इस तरह के कबाड़ को हटाएं
- टूटे-फूटे बर्तन एवं कबाड़ को जमा करके रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा फैलती है।
- टूटा हुआ पलंग, अलमारी या लकड़ी का अन्य सामान भी घर में नहीं रखना चाहिए, इससे आर्थिक लाभ में कमी आती है और खर्च बढ़ता है।
- छत पर या सीढ़ियों के नीचे कबाड़ जमा करके रखना भी आर्थिक नुकसान का कारण बनता है।

साफ सुथरे हों खिड़की-दरवाजे

- दरवाजे और खिड़कियां घर की शोभा होता हैं और अगर वहां स्वच्छता का संस्कार नहीं झलके तो घर में आने वाली धन-संपदा के मार्ग में रुकावट आती है।
- धन की देवी लक्ष्मी को स्वच्छता प्रिय है। जहां स्वच्छता दरवाजे से ही दिखाई देती हो वहां ही उनका आगमन होता है इस बात को सदैव याद रखना चाहिए।

लगाएं जामुनी रंग के पौधे

- जामुनी रंग, धन-संपत्ति और शांति का प्रतीक रंग है। इसलिए अपने घर के अंदर किसी जामुनी रंग का पौधा लगाना अच्छा साबित हो सकता है।
- अगर ऐसा न कर सकें तो कम से कम जामुनी रंग का कोई गमला ही घर में जरूर रखें। यह घर की सकारात्मकता में वृद्धि करेगा और परिजनों को प्रसन्न रखेगा।

जल निकासी की दिशा

- जिनके घर में गंदे या उपयोग में लिए गए जल की निकासी दक्षिण या पश्चिम दिशा में होती है उन्हें आर्थिक समस्याओं के साथ अन्य कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।
- उत्तर दिशा एवं पूर्व दिशा में जल की निकासी आर्थिक दृष्टि से शुभ माना गया है।

इंफॉर्मेशन

भालू परिवार का सबसे छोटा सदस्य - सन बेयर

सूरज के जैसे गुलाबी रोएं होने के कारण इसे सन बेयर यानी सूरज भालू कहा जाता है। मात्र पांच फुट लम्बे इस भालू के बारे में आइए जानें कुछ और रोचक बातें।

वो अपनी लम्बी जीभ से मधुमक्खियों के छत्ते से बड़ी आराम से शहद गटक जाता है। पैरों में इतनी मजबूती होती है कि ये पलक झपकते ही पेड़ की ऊंची टहनियों तक चढ़ जाता है। कद में छोटा होने, छोटे कान और एक छोटा थूथन होने के कारण इसे डॉग बेयर यानी कुत्ता भालू भी कहा जाता है। सूरज भालू दक्षिण-पूर्व एशिया के निचले जंगलों में पाया जाता है। इसे सूरज भालू इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसकी छाती पर गुलाबी रंग के रोएं का एक गोल घेरा बना होता है।

अमेरिकन ब्लैक बेयर की तुलना में सन बेयर केवल आधे ही बढ़ते हैं। इनकी लंबाई तकरीबन डेढ़ मीटर के आस-पास होती है और वजन सत्तर किलो के आसपास होता है।

ये रात के समय अधिक सक्रिय रहते हैं। ये रात को जंगलों से फल, बेर, छोटे पक्षियों, कीट-पतंगों का शिकार करते हैं। इनमें गजब की सूंघने की क्षमता होती है। अपने चार इंच से अधिक लंबे पंजों की मदद से ये बड़ी तेजी से पेड़ पर चढ़ने में माहिर होते हैं। इन्हीं पंजों की मदद से पुराने पेड़ों पर लगी दीमक को निकालकर खा जाते हैं।

बहुमूल्य देन

कहते हैं कि रोजाना एक सेब खाओ और डॉक्टर को दूर भगाओ। फल मनुष्य को प्रकृति की बहुमूल्य देन हैं। प्रकृति ने इनमें इतने गुण भर दिए हैं कि यदि आप नियमित रूप से अपने भोजन में इन्हें शामिल करते हैं, तो आपको दवाईयां लेने की जरूरत नहीं पड़ती, । सेब में विटामिन ए, सी, बी1, बी-2, बी-6, फॉलिक और पैंटोथेनिक एसिड पाया जाता है। इसमें मिनरल जैसे पोटाशियम, आयरन और कुछ मात्रा में कॉपर, मैग्नीशियम व फॉस्फोरस पाया जाता है। सुबह सेब खाने से सुस्ती दूर होती है। यह किडनी में सोडियम क्लोराइड की मात्रा संतुलित रखता है। कब्ज दूर करता है। फ्री रैडिकल्स को खत्म करता है और बुरे कोलेस्ट्रॉल को भी कम करता हैं।

इनसे तुम दोस्ती कर लो...

वन्य प्राणियों की तेजी से घट रही संख्या से चिंतित होकर अभ्यारण्यों की स्थापना की गई, ताकि वहां के कुदरती परिवेश में जानवरों को संरक्षित रखा जा सके। हाथी की मस्ती भरी चाल, मोर का नाच, ऊंट की सैर, शेरों की दहाड़ का आप यहां आनंद ले सकते हैं...

मारे देश में विश्व के करीब 60 प्रतिशत शेर, 80 प्रतिशत एक सींग वाले गैंडे और 50 प्रतिशत एशियाई हाथी पाए जाते हैं। लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई और शिकार के कारण जानवरों की गिनती लगातार घटती जा रही है। इन जीवों के बचाव के लिए भारत में 70 से ज्यादा नैशनल पार्क और 400 जंगली जीवों के अभयारण्य हैं, इसके अलावा पक्षी अभयारण्य भी हैं। इन मूक जानवरों से दोस्ती करके हम अपनी भावी पीढ़ियों के लिए इन्हें महफूज रख सकते हैं।

काजीरंगा नैशनल पार्क

काजीरंगा नैशनल पार्क विश्वभर में एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध है। एक सींग वाला गैंडा, हाथी, भारतीय भैंसा, हिरण, सांभर, भालू, बाघ, चीते, भेड़िया, साही, अजगर और अनेक प्रकार की चिड़ियां जैसे पेलीकन, बत्तख, कलहंस, हॉर्नबिल, आइबिस, जलकाक, अगरेट, बगुला, लेसर एडजुलेंट, रिंगटेल फिशिंग इगल आदि भी यहां पाई जाती हैं। काजीरंगा नैशनल पार्क मध्य असम में 430 वर्ग किमी. इलाके में फैला हुआ है। इसका प्राकृतिक परिवेश जंगलों से युक्त है। यहां बड़ी एलिफेंट ग्रास, पेड़, दलदली जगह व उथले तालाब हैं। इसे यूनैस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया है।

जिम कोर्बेट नैशनल पार्क

जिम कोर्बेट नैशनल पार्क दिल्ली से 240 किमी. उत्तर-पूर्व में स्थित है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य अद्भुत है। जंगलों से ढंकी पहाड़ियां और घाटियों के बीच से कल-कल करती नदी बहती है। कई बार इसके तट पर घड़ियाल भी देखे जाते हैं। इस नैशनल पार्क में हाथी, चीता, तेंदुआ, सांभर और भालू भी देख सकते हैं।

सरिस्का नैशनल पार्क

1958 में बना सरिस्का नैशनल पार्क टाइगर रिजर्व के लिए प्रसिद्ध है। यह राजस्थान के अलवर जिले में अरावली की पहाड़ियों पर 800 वर्ग किमी. के क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां आप जंगल के राजा को उसके परिवार के साथ घूमते हुए देख सकते हैं। पहाड़ों और जंगलों से घिरा यह अभयारण्य स्तनधारी जानवरों, पक्षियों, सांपों, बाघों और तेंदुओं के लिए प्रसिद्ध है। इस स्थान का ऐतिहासिक महत्व भी है। कहा जाता है कि पांडवों ने अपने वनवास के दौरान सरिस्का में आश्रय लिया था। यहां मंदिरों के अवशेष देखे जा सकते हैं।

केवलादेव नैशनल पार्क

केवलादेव घाना नैशनल पार्क राजस्थान में स्थित एक प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान है। यह ढाई लाख पक्षियों का घर है। यहां बड़ी संख्या में साइबेरियाई पक्षी भी आते हैं।

राजाजी नैशनल पार्क

830 वर्ग किमी. इलाके में फैला राजाजी नैशनल पार्क हाथियों की संख्या के लिए जाना जाता है। यह उत्तरांचल में देहरादून से 23 किमी. आगे है। महान् स्वतंत्रता सैनानी सी.राजगोपालाचार्य के नाम पर इसका नाम राजाजी नैशनल पार्क रखा गया। यहां हिरण,चीते, सांभर और मोर भी देखे जा सकते हैं। इसके अलावा यह पक्षियों की भी 315 प्रजातियों का निवास है।

दुधवा नैशनल पार्क

दुधवा नैशनल पार्क एक प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान और बाघ संरक्षित क्षेत्र है। यह उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में शिवालिक पर्वत श्रेणियों की तराई में स्थित है। भारत और नेपाल की सीमाओं से लगा हुआ यह एक विशाल वन क्षेत्र है। दुधवा नैशनल पार्क प्रमुख रूप से बाघों एंव बारहसिंगा के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

गिर वन नैशनल पार्क

गिर वन नैशनल पार्क बाघ संरक्षित क्षेत्र है, जो 'एशियाई बब्बर शेर' के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इसकी स्थापना 1913 में एशियाई शेरों को संरक्षण प्रदान करने के लिए की गई थी। स्थापना के बाद से यहां सैकड़ों एशियाई सिंहों का जन्म हो चुका है। यह अभयारण्य जूनागढ़ से 60 किमी. दक्षिण-पश्चिम में गुजरात में स्थित है। 1295 वर्ग किमी. इलाके में फैले इस उद्यान में आप तेंदुआ, चित्तीदार हिरण, नीलगाय, चौसिंगा हिरण और चिंकारा भी देख सकते हैं। यहां स्थित विशाल जलाशय में मगरमच्छ भी हैं।

सुंदरबन नैशनल पार्क

सुंदरबन नैशनल पार्क भारत का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है, जो पश्चिम बंगाल में स्थित है। इसमें करीब 250 टाइगर्स हैं। इसे बर्ड वॉचर्स का स्वर्ग माना जाता है। यहां कई रेंगने वाले जानवर भी देखे जा सकते हैं। यह वर्ल्ड हैरिटेज साइट भी है।

कान्हा नैशनल पार्क

कान्हा नैशनल पार्क विश्व के सर्वोत्तम संरक्षित वन्य जीव स्थलों में से एक है, जो मध्य प्रदेश में स्थित है। यह 1,949 वर्ग किमी में फैला है। यह राष्ट्रीय उद्यान बारासिंघा के लिए प्रसिद्ध है, जो विश्व में और कहीं भी नहीं मिलता।

जिज्ञासा

जुगनू कैसे चमकते हैं?

अंधेरी रातों में जुगनूओं को चमकते हुए तो आप सबने जरूर देखा होगा। यदि अंधेरा हो, तो जुगनू का बारी-बारी से चमकना और बंद होना रोमांचक और आर्कषक दिखता है। जुगनू लगातार नहीं चमकते, बल्कि एक निश्चित अंतराल में ही चमकते और बंद होते हैं।

जुगनू के पेट में नीचे की ओर स्किन के ठीक नीचे कुछ हिस्सों में रोशनी पैदा करने वाले अंग होते हैं। इन अंगों में एक रसायन होता है। यह रसायन ऑक्सीजन के संपर्क में आकर रोशनी पैदा करता है। वहां एक और रसायन भी होता है, जो इस रोशनी पैदा करने की क्रिया को उकसाता है, हालांकि यह पदार्थ खुद क्रिया में भाग नहीं लेता है।

पुराने जमाने में लोग रोशनी पैदा करने वाले कीटों को पकड़कर अपनी झोंपड़ियों में उजाले के लिए इस्तेमाल करते थे। ये लोग किसी छेद वाले बर्तन में जुगनूओं को पकड़ कर कैद कर लेते थे और रात को इन कीटों की रोशनी में अपना काम करते थे। दूसरे विश्व युद्ध में जापानी फौजी किसी संदेश या नक्शे को पढ़ने के लिए कीटों से निकलने वाली रोशनी की मदद लेते थे।

जुगनूओं के अलावा और भी जीव हैं जो रोशनी पैदा करते हैं। कुछ बैक्टीरिया, कुछ मछलियां, कुछ किस्म के शैवाल, घोंघे और केकड़ों में भी रोशनी पैदा करने के गुण होते हैं। कुछ फफूंद भी चमकने की क्षमता रखती हैं और लगातार रोशनी पैदा कर कीटों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। कुकरमुत्ते की एक किस्म भी रात में बड़ी तेजी से चमकती है।

जमीन के नीचे दुनिया

समय के साथ-साथ कई शहरों का नामोनिशां मिट गया। आज इनके केवल कुछ अवशेष ही बचे हैं, जो इनकी कहानी बताते हैं।

पेट्रा : पेट्रा शहर सातवीं सदी ईस्वी सन् में दुनिया के नक्शे से गायब हो गया। यह व्यापार का बड़ा केंद्र था। हजारों साल तक यह मलबे के नीचे दबा रहा। 1812 में स्विस स्कॉलर ने इसकी पहचान प्राचीन राजधानी नबातियन के खंडहरों के रूप में की। दक्षिणी जॉर्डन में सुदूर रेगिस्तानी दर्रों की एक श्रृंखला फैली हुई है। 2000 साल से भी ज्यादा साल पहले अरेबिया, सीरिया, फिलिस्तीन और मिस्र के बीच व्यापार करने वाले काफिले इसी रास्ते से होकर जाते थे। खुदाई से पता चलता है कि नबातियन लोग पानी की सप्लाई को कंट्रोल करने की कला जानते थे।

मोहन जोदाड़ो : 1921 तक सिंधु घाटी की सभ्यता के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं थी, जब तक हड़प्पा और मोहन जोदाड़ो की खुदाई का काम शुरू नहीं हुआ था। यह सभ्यता करीब 4,500 साल पहले यहां रहती थी और हजार साल तक यहां रही। मोहन जोदाड़ो एक सुव्यवस्थित शहर था।

माचू पिचू : माचू पिचू की खोज पुरातत्ववेताओं ने करीब 100 साल पहले की थी, लेकिन इतिहासकार अभी भी इस प्राचीन शहर की कार्यप्रणाली के बारे में यकीन से कुछ नहीं कर रहे। इंका लोगों का लिखने का कोई सिस्टम नहीं था, इसलिए उनका कोई लिखित रिकॉर्ड भी नहीं है। माना जाता है कि इंका लोगों ने 1430 ईस्वी सन् के आसपास इसका निर्माण शुरू करवाया था, पर करीब सौ साल बाद इंका शासकों ने इसे त्याग दिया, क्योंकि उस समय स्पेन ने इंका सम्राज्य को हरा कर कब्जा कर लिया था।

कारवां और भी : प्लेंक मैक्सिको , स्टोनहेंज, इंग्लैंड, पलमिरा, सीरिया, टैनिस, मिस्र, पर्सपोलिस, ईरान, ग्रेट एनक्लोजर, जिम्बाबवे, निमरूद, इराक, मेसा वर्दे, कोलोराडो, प्राचीन ट्रॉय।

चोंच का कमाल

कठफोड़वे (वुडपैकर) की 200 से ज्यादा प्रजातियां दुनियाभर में पाई जाती हैं। इन्हें जंगलों में रहना पसंद है। पेड़ों की शाखाओं को चोंच से छेदते हुए ये बहुत शोर करते हैं। माना जाता है कि यह उनका कम्यूनिकेशन का तरीका है। लकड़ी में वे इसलिए भी चोंच मारते हैं, ताकि पेड़ों की छाल के नीचे और शाखाओं पर छुपे हुए छोटे-छोटे कीड़े खा सकें। इनकी लंबी जीभ कीट-पतंगों को पकड़ने में इनकी मदद करती है।

कठफोड़वे अपना घोंसला बनाने के लिए भी चोंच का ही सहारा लेते हैं। ये अपनी चोंच से पेड़ की शाखाओं में छेद बनाते हैं, जो 15 से 45 सेंटीमीटर तक गहरे होते हैं। इन्हीं छेदों में ये अपना घर बनाते हैं और अंडे देते हैं।

कठफोड़वे की चोंच बहुत मोटी होती है और इनके सिर में एक खास किस्म की पैडिंग होती है, जिससे वह चोंच मारते वक्त मिलने वाले तेज़ झटकों से सुरक्षित रहता है।

छोटी टांगों और तीखे नाखूनों के कारण ये पेड़ की छाल के साथ आसानी से चिपक जाते हैं। इनके पैरों में दो खुर आगे और दो पीछे की ओर होते हैं। इसे 'जाइगोडैक्टिल फीट' कहते हैं।

ये दोनों मिलकर अपने बच्चों का ध्यान रखते हैं। जन्म के समय इनके बच्चे अंधे होते हैं और उनके शरीर पर पंख भी नहीं होते।

हिरण और खरगोश की दोस्ती तो आप देख ही रहे हैं न, लेकिन ये तस्वीर कुछ बेरंग-सी है। तो फिर इसमें मनचाहे रंग भर डालिए।

दो मेंढक

शहर को करीब से देखने का बड़ा मन था दो मेढ़क दोस्तों का, सो वो खाने का सामान बांधकर शहर की ओर बढ़ चले। फर्राटे से दौड़ती गाड़ियां और ऊंची इमारतें देखने को मिली, फिर जाने क्या हुआ जो इनकी जान पर बन आई। पढ़ें और जान जाएं...!!!

बहुत समय पहले की बात है। जंगल में तालाब के किनारे एक पेड़ के नीचे दो मेंढक रहते थे। एक दिन उन दोनों ने सोचा- 'हमने तो बाहर की दुनिया देखी ही नहीं, जंगल के बाहर भी तो कुछ होगा। चलो जरा इंसानों की दुनिया में घूम कर आते हैं।'

खाने-पीने का थोड़ा-सा सामान लेकर वे दोनों निकल पड़े। फुदकतेफुदकते वे जंगल की सीमा को पार करके शहर पहुंचे। वहां उन्होंने बहुत कुछ देखा- बड़ी-बड़ी ऊंची इमारतें, प्रदूषण फैलाते वाहन, रोटी कमाने की दौड़ में भागते हुए लोग, खेलकूद और पढ़ाई में मस्त नन्हें- नन्हें बच्चे और बहुत शोरगुल।

उन्हें अपने घर की याद आने लगी। थकने की वजह से उनको प्यास भी लग आई। पानी के साथ बैठने के लिए ठंडे स्थान की तलाश भी करने लगे। खोजते-खोजते वे एक दूधवाले की दुकान में घुस गए। वहां एक बाल्टी रखी थी। उन्हें लगा कि इस बाल्टी में पानी होना चाहिए। फिर क्या था, झट से दोनों ने एक ऊंची छलांग लगाई और पहुंच गए उस बाल्टी के अन्दर।

पर यह क्या? बाल्टी में तो पानी नहीं था। वह तो मलाई से भरी हुई थी। बेचारे दोनों मेंढक उस मलाई में डूबने लगे और उनका दम घुटने लगा। एक मेंढक ने सोचा- 'मेरा तो अंतिम समय आ गया है हाय रे, मेरी किस्मत! शहर आकर इन अनजान लोगों के बीच ही मरना था।' उसने अपने ईश्वर को याद किया और मौत का इन्तजार करने लगा।

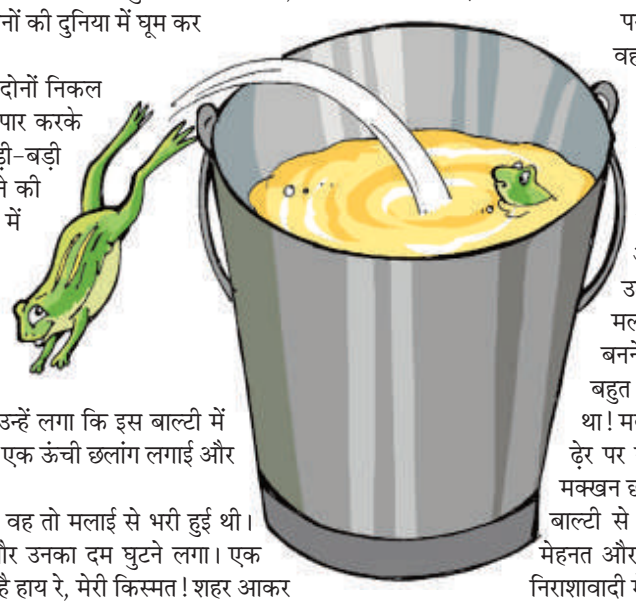

परन्तु दूसरा मेंढक हार मानने को तैयार नहीं था। वह कोशिश करने लगा कि किसी तरह उस मलाई भरी बाल्टी में से वह बाहर निकल आए। वह अपने पैर जोर से चलाने लगा। बहुत कोशिश करने पर भी वह बार-बार फिसल जाता। फिर भी उसने अपना दिल छोटा नहीं किया। लगातार कोशिश करता रहा और अपने पैर चलाता रहा। अरे यह क्या! अचानक उसने देखा कि वह ऊपर उठने लगा। उसके लगातार जोर से पैर चलाने से मलाई भी लगातार हिल रही थी और वह मक्खन बनने लगी। मेंढक में उम्मीद की लहर दौड़ गई। वह बहुत थक चुका था, लेकिन पैर चलाता रहा। फिर क्या था! मक्खन बनता गया और आखिर में उस मक्खन के ढ़ेर पर सवार वह साहसी मेंढक ऊपर उठने लगा। जब मक्खन छाछ के ऊपर तैरने लगा, तब उस साहसी मेंढक ने बाल्टी से बाहर छलांग लगा दी। अपनी हिम्मत, लगन, मेहनत और जीने की उमंग के कारण वह बच गया, परन्तु निराशावादी मेंढक उसी मलाई की बाल्टी में डूब कर मर गया।

फीफा विश्व कप 2026 : पेनल्टी शूटआउट में आस्ट्रेलिया को हराकर मिस्र पहली बार अंतिम-16 में

आर्लिंगटन (टेक्सास)

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ 32 में शुक्रवार को मिस्र ने इतिहास रचते हुए आस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार नाकआउट मुकाबला जीता और अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

मिस्र की जीत के नायक होसाम अब्देलमगीद रहे, जिन्होंने निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को यादगार जीत दिलाई। अब अंतिम-16 में मिस्र का सामना मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से होगा।

सलाह की कप्तानी में ऐतिहासिक जीत - मिस्र के कप्तान मोहम्मद सलाह ने मैच के बाद कहा कि यह उनके जीवन के सबसे यादगार दिनों में से एक है। उन्होंने कहा कि टीम की खुशी से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता और इस जीत का आनंद हर मिस्रवासी के साथ साझा करना उनके लिए गर्व की बात है।

मैच का रोमांच - मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बनाई, जब इमाम अशूर ने हेडर के जरिए गोल दागा।

आस्ट्रेलिया ने 55वें मिनट में बराबरी कर ली, लेकिन यह गोल मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी के आत्मघाती गोल की बदौलत आया। हानी इस विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

इसके बाद दोनों टीमें अतिरिक्त समय में भी विजयी गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंच गया।

शूटआउट में मिस्र का दबदबा - आस्ट्रेलिया की ओर से हैरी साउटर पहली ही पेनल्टी चूक गए, जबकि 18 वर्षीय लुकास हेरिंगटन की चौथी पेनल्टी क्रासबार से टकरा गई। मिस्र की ओर से महमूद साबेर, रामी राबिया, मोहम्मद सलाह और अंत में होसाम अब्देलमगीद ने पेनल्टी को गोल में बदला और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

आस्ट्रेलिया के लिए केवल जैक्सन इरविन और अवेयर माबिल ही सफल पेनल्टी लगा सके।

आस्ट्रेलिया का नाकआउट में खराब रिकार्ड जारी - यह आस्ट्रेलिया की विश्व कप नाकआउट चरण में लगातार तीसरी हार रही। इससे पहले वह 2006 में इटली और 2022 में अर्जेंटीना से हार चुका था।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 : कोलंबिया ने घाना को हराया, प्री-क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड से होगा सामना

कैनसस सिटी। जोन एरियास के शुरुआती गोल की बदौलत कोलंबिया ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ 32 मुकाबले में शनिवार को घाना को 1-0 से हराकर अंतिम-16 (प्री-क्वार्टर फाइनल) में जगह बना ली। इस जीत के साथ कोलंबिया अब 8 जुलाई को वैंकूवर में स्विट्जरलैंड का सामना करेगा। मुकाबले का एकमात्र गोल 14वें मिनट में जोन एरियास ने किया। उन्होंने लुइस सुआरेज़ के सटीक क्रास पर नजदीक से शानदार फिनिश करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। सुआरेज़ मैदान पर घायल जोन कार्डोबा की जगह बतौर स्थानापन्न उतरने के कुछ ही क्षण बाद इस गोल की भूमिका निभाने में सफल रहे। दूसरे हाफ में कोलंबिया ने अपनी बढ़त दोगुनी करने का भी मौका बनाया। 56वें मिनट में लुइस डियाज़ ने गेंद को जाल में पहुंचाया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद उन्हें आफसाइड करार दिया गया और गोल रद्द कर दिया गया। पूरे मुकाबले में कोलंबिया का दबदबा देखने को मिला। हालांकि घाना के गोलकीपर लारेंस अती ज़िगी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कम से कम तीन बेहतरीन बचाव किए और टीम को बड़े अंतर से हारने से बचाया। कोलंबिया ने अंत तक अपनी बढ़त बरकरार रखी और जीत के साथ विश्व कप के अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया, जहां उसका मुकाबला स्विट्जरलैंड से होगा।

इस दिग्गज स्पिनर की प्रेम कहानी है फिल्मी

चंड़ीगढ़। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज आफ स्पिनर हरभजन सिंह का जीवन उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। मैदान पर अपनी जादुई स्पिन से दुनिया के बड़े-बड़े बल्लेबाजों के होश उड़ाने वाले भज्जी जब खुद प्यार के जाल में फंसे, तो उनकी जिंदगी की सबसे खूबसूरत पारी की शुरुआत हुई। यह कहानी है हौसलों की उड़ान, मैदान के आक्रामक तेवरों और फिर पहली ही नजर में बालीवुड की एक हसीना पर क्लीन बोल्ड हो जाने की। हरभजन की प्रेम कहानी पूरी तरह से फिल्मी और लव एट फर्स्ट साइट का बेहतरीन उदाहरण है। बात उन दिनों की है जब भज्जी लंदन में थे। एक दिन उन्होंने टीवी पर फिल्म द ट्रेन का सुपरहिट गाना वो अजनबी देखा। गाने में नजर आ रही अभिनेत्री गीता बसरा की खूबसूरती पर भज्जी इस कदर फिदा हुए कि उन्होंने तुरंत ठान लिया कि वे इस लड़की से मिलकर रहेंगे। उन्होंने अपने खास दोस्त और साथी क्रिकेटर युवराज सिंह को फोन मिलाया और गीता के बारे में पूछताछ की। आखिरकार, बालीवुड के गलियारों में अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर भज्जी गीता का फोन नंबर हासिल करने में कामयाब रहे। नंबर मिलते ही उन्होंने गीता को मैसेज कर काफी पीने का न्योता दे दिया पर ब्रिटेन के पोर्ट्समाउथ में जन्मीं गीता ने शुरुआत में इस स्टार क्रिकेटर को कोई खास भाव नहीं दिया और उनके मैसेज का कोई जवाब नहीं आया।

जोकोविच ने फेडरर के 105 विंबलडन जीत के रिकार्ड की बराबरी की, चौथे दौर में पहुंचे

लंदन। सात बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने विंबलडन 2026 में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकार्ड की बराबरी कर ली। तीसरे दौर में उन्होंने शुक्रवार को फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेश को 7-5, 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। 39 वर्षीय जोकोविच अब फेडरर के पुरुष एकल में आठ विंबलडन खिताब के रिकार्ड की बराबरी करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में जोकोविच ने शुरुआती दो सेट शानदार अंदाज में अपने नाम किए, लेकिन तीसरे सेट में रिंदरकनेश ने दमदार वापसी करते हुए उन्हें 6-1 से हराकर मैच को रोमांचक बना दिया। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अपनी तेज सर्विस और आक्रामक खेल से चौथे सेट में भी जोकोविच को कड़ी चुनौती दी। हालांकि टाइब्रेक में अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने बेहतरीन संयम दिखाया और बिना कोई गलती किए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन में 105वीं जीत दर्ज की और रोजर फेडरर के रिकार्ड की बराबरी कर ली। अब चौथे दौर में उनका सामना रूस के क्वालीफायर रोमन साफियुलिन से होगा। यदि जोकोविच यह मुकाबला जीतते हैं तो वह विंबलडन में सर्वाधिक मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में फेडरर को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया की एक और हार, 191 का टारगेट नहीं हुआ डिफेंड

मैनचेस्टर: इंग्लैंड ने भारत को टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 4 विकेट से हरा दिया है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम 4 मैचों के बाद भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। टीम को तीन हार मिली है जबकि एक मैच बारिश में धुल गया। टी20 विश्व कप चैंपियन बनने के बाद सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेयस अय्यर का कप्तान बनाया गया था। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 190 रन बनाए हैं। इंग्लैंड ने 19वें ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 5 मैचों की सीरीज में मेजबान टीम को 1-0 की बढ़त मिल गई है।

इस मुकाबले से इंटरनेशनल डेब्यू कर रहे 15 साल के वैभव सूर्यवंशी भारतीय पारी की शुरुआत करने अभिषेक शर्मा के साथ उतरे। वैभव ने अपनी जानी-पहचानी आक्रामक बल्लेबाजी की झलक दिखाई और 2 छक्के लगाए, लेकिन उनकी पारी लंबी नहीं चल सकी। वैभव 10 गेंदों पर 2 छक्कों की मदद से 14 रन बनाकर आउट हुए। वह विल जैक्स की गेंद पर स्टंप आउट हो गए। वैभव और अभिषेक के बीच पहले विकेट के लिए 4.5 ओवर में 50 रन की साझेदारी हुई।

वैभव के आउट होने के तुरंत बाद अभिषेक भी आउट हो गए। अपना 50वां मुकाबला खेल रहे अभिषेक ने 24 गेंदों पर 1 छक्के और 8 चौकों की मदद से 43 रन बनाए। ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर के बीच तीसरे विकेट के लिए 65 रन की अहम साझेदारी हुई। ईशान अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर सके। वह 40 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 49 रन बनाकर आउट हुए, जबकि श्रेयस 22 गेंदों पर 37 रन बनाकर आउट हुए। 13वें ओवर में श्रेयस अय्यर आउट हुए तो टीम की पारी पटरी से उतर गई। 14वें से 18वें ओवर के बीच बल्लेबाज सिर्फ 33 रन ही बना पाए। हालांकि तिलक वर्मा ने 11 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से नाबाद 24 रन बनाकर टीम को 190 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। हर्षित राणा ने 3 गेंदों पर 1 छक्के की मदद से 6 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से सैम करनने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट लिए।

जैकब बेथेल रहे इंग्लैंड की जीत के हीरो

इंग्लैंड ने पहले ही ओवर में अपने दोनों सलामी बल्लेबाज जोस बटलर और फिल साल्ट के विकेट खो दिए। दोनों को अर्शदीप सिंह ने आउट किया और दोनों खाता नहीं खोल पाए। तीसरे नंबर पर उतरे कप्तान हैरी ब्रूक ने तीसरे ओवर में अर्शदीप के खिलाफ 26 रन बनाए। उन्होंने 15 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली। 23 गेंदों पर ब्रूक और बेथेल ने 50 रन जोड़े। अक्षर की गेंद पर ब्रूक की पारी का अंत हुआ। इसके बाद चौथे विकेट के लिए टॉम बैंटन और जैकब बेथेल ने 50 गेंद पर 67 रन जोड़े। अर्शदीप सिंह ने 32 गेंद पर 39 रन बनाने वाले बैंटन को आउट किया। 15वें ओवर तक जैकब बेथेल ने 33 गेंदों पर 37 रन बनाए थे। 16वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने विल जैक्स को आउट किया। आखिरी 28 गेंदों पर इंग्लैंड को जीत के लिए 58 रनों की जरूरत थी। यहीं से बेथेल ने गियर चेंज कर दिया। 17वें ओवर में रवि बिश्नोई के खिलाफ इंग्लैंड ने 29 रन बनाए। इसमें 24 रन बेथेल के बल्ले से निकले। 46 गेंदों पर 5 चौके और 5 छक्कों की मदद से बेथेल ने 76 रनों की पारी खेली।

पूर्व विश्व चैंपियन व्लादिमीर क्रामनिक पर फिडे की बड़ी कार्रवाई लगाया दो साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली

विश्व शतरंज महासंघ (फिडे) की एथिक्स एंड डिसिप्लिनरी कमीशन (ईडीसी) ने पूर्व विश्व चैंपियन व्लादिमीर क्रामनिक पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए दो वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, इसमें से अंतिम एक वर्ष का प्रतिबंध तीन वर्ष की परिवीक्षा (प्रोबेशन) अवधि के लिए निलंबित रहेगा। ऐसे में यदि क्रामनिक प्रोबेशन के दौरान किसी नए उल्लंघन के दोषी नहीं पाए जाते हैं, तो उन्हें केवल एक वर्ष का सक्रिय प्रतिबंध झेलना होगा।

यह मामला फिडे प्रबंधन बोर्ड और फिडे फेयर प्ले आयोग द्वारा दायर शिकायतों के बाद शुरू हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि क्रामनिक ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर ग्रैंडमास्टर डेविड नवारा, दिवंगत ग्रैंडमास्टर डेनियल नारोडिट्स्की सहित कई खिलाड़ियों पर बिना पर्याप्त आधार के सार्वजनिक रूप से चीटिंग के आरोप लगाए। फिडे की ईडीसी ने सभी पक्षों की दलीलों और साक्ष्यों की समीक्षा के बाद क्रामनिक को फिडे एथिक्स कोड और डिसिप्लिनरी कोड के कई प्रावधानों का उल्लंघन करने का दोषी पाया। आयोग ने माना कि उनके आचरण ने खिलाड़ियों की गरिमा, सम्मानजनक व्यवहार, साइबर बुलिंग, मानसिक उत्पीड़न, आदर्श खिलाड़ी की जिम्मेदारी तथा फेयर प्ले आयोग की जांच में सहयोग न करने जैसे नियमों का उल्लंघन किया। साथ ही उन पर बिना पर्याप्त प्रमाण के सार्वजनिक आरोप लगाने का भी दोष सिद्ध हुआ। हालांकि, आयोग ने ईमानदारी, जवाबदेही और फिडे की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने से जुड़े कुछ अन्य आरोपों को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में खारिज कर दिया। अपने फैसले में ईडीसी ने कहा कि शतरंज में चीटिंग के खिलाफ कार्रवाई फिडे की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, लेकिन ऐसे आरोप केवल फिडे की गोपनीय जांच प्रक्रिया और पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर ही लगाए जाने चाहिए। बिना संस्थागत पुष्टि के किसी खिलाड़ी पर सार्वजनिक रूप से संदेह जताना उसकी प्रतिष्ठा और मानसिक स्थिति को नुकसान पहुंचा सकता है।

द्रविड़ के बेटे ने भारतीय अंडर-19 टीम से डेब्यू किया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने भारत की अंडर-19 टीम की ओर से डेब्यू किया है। अन्वय को श्रीलंका अंडर-19 के खिलाफ हुए एक अहम मुकाबले में अंतिम ग्यारह में शामिल किया गया है। इससे उनके उनके करियर का एक नय अध्याय शुरु हुआ। अन्वय एक विकेटकीपर-बल्लेबाज के हैं! पिछले कुछ समय से अन्वय ने जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 टीम में जगह बनायी है। अन्वय पर राहुल द्रविड के पुत्र होने के कारण उम्मीदों का बोझ था जिसमें वह खरे उतरे। द्रविड़ ने हमेशा अपने बच्चों को अपनी पहचान बनाने और अपने जुनून का पालन करने की आजाद दी है। है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कभी भी अपने बेटों पर क्रिकेट में करियर बनाने का दबाव नहीं डाला, बल्कि उन्हें स्वाभाविक रूप से विकसित होने दिया। अन्वय का यह चयन उनकी अपनी कड़ी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण का परिणाम है, न कि उनके उपनाम का। यह दिखाता है कि उन्होंने अपने दम पर यह मुकाम हासिल किया है, और उन्हें द्रविड़ का बेटा होने के बजाय एक उभरते हुए क्रिकेटर के रूप में देखा जाना चाहिए। गौरतलब है कि अंडर-19 स्तर भारतीय क्रिकेट के भविष्य के सितारों के लिए एक महत्वपूर्ण सीढ़ी है।

फीफा विश्व कप 2026: मेक्सिको-इंग्लैंड प्री-क्वार्टर फाइनल तय समय पर

मेक्सिको सिटी

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ 16 में रविवार को मेक्सिको और इंग्लैंड के बीच होने वाला मुकाबला तय समय पर ही खेला जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको सिटी में दोपहर बाद गरज-चमक के साथ भारी बारिश और संभावित बाढ़ की आशंका के चलते मैच का समय पहले करने पर विचार किया गया था, लेकिन अंतत: फीफा ने निर्धारित समय पर ही मुकाबला कराने का फैसला किया।

फीफा मौसम और संभावित जलभराव की स्थिति को देखते हुए मैच का समय बदलने पर विचार कर रहा था। हालांकि, बाद में इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया। फीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इस मैच के समय में कोई बदलाव दर्ज नहीं है।

मेक्सिको के मुख्य कोच जावियर एग्विरे ने संभावित बदलाव का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने मेक्सिको के रेडियो स्टेशन रेडियो फार्मूला से बातचीत में कहा, यह पेट पर लात मारने जैसा है। हमें अपनी पूरी योजना बदलनी पड़ती। छह घंटे की तैयारी बेकार हो जाती। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है। फीफा जो फैसला करेगा, हम उसका सम्मान करेंगे, लेकिन न मैं और न ही मेरे खिलाड़ी इससे खुश हैं।

यदि समय बदला जाता तो इसका असर इंग्लैंड की तैयारियों पर भी पड़ता। इंग्लैंड की टीम शुक्रवार देर रात मेक्सिको पहुंचेगी और शनिवार को यूनाम पुमास प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास करेगी। ऐसे में खिलाड़ियों को मेक्सिको सिटी की ऊंचाई के अनुरूप खुद को ढालने के लिए और भी कम समय मिलता।

गौरतलब है कि एज़्टेका स्टेडियम समुद्र तल से करीब 2,200 मीटर (7,300 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। खेल विज्ञान विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी ऊंचाई पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को पर्याप्त समय तक अनुकूलन की आवश्यकता होती है।

यह मुकाबला विश्व कप 2026 के दौरान मेक्सिको सिटी में आयोजित होने वाला पांचवां और अंतिम मैच होगा।

फीफा विश्व कप से बाहर होकर भी हीरो बना केप वर्डे, संघर्ष और साहस की लिखी अविस्मरणीय गाथा

मियामी

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ 16 में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में हार के बावजूद केप वर्डे ने दुनिया को यह संदेश दिया कि जज़्बा और आत्मविश्वास के दम पर छोटे देश भी फुटबाल की सबसे बड़ी ताकतों को चुनौती दे सकते हैं।

महज पांच लाख से कुछ अधिक आबादी वाले अफ्रीका के पश्चिमी तट के छोटे द्वीपीय देश केप वर्डे ने विश्व चैंपियन अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय तक कड़ी टक्कर दी।

आखिरकार 111वें मिनट में डिने बोर्गेस के आत्मघाती गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने 3-2 से जीत दर्ज की।

मैच के बाद केप वर्डे के डिफेंडर पिको लोप्स ने कहा कि उनकी टीम ने दुनिया को दिखा दिया है कि छोटे देशों के लिए भी कुछ असंभव नहीं है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, हम यह दिखाना चाहते थे कि छोटे देश भी बड़े सपने देख सकते हैं।

अगर दिल बड़ा हो और विश्वास मजबूत हो, तो कुछ भी संभव है। उम्मीद है कि हमारी टीम ने केप वर्डे के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया होगा। हमने साबित किया है कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ भी मुकाबला किया जा सकता है।

गोलकीपर वोजिन्हा बने विश्व कप के स्टार

40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा विश्व कप के सबसे चर्चित खिलाड़ियों में शामिल रहे। स्पेन के खिलाफ पहले मैच में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पर उनके फालोअर्स की संख्या करीब 50 हजार से बढ़कर 1.9 करोड़ से अधिक हो गई।

उन्होंने कहा, विश्व कप में खेलना हमारे पूरे देश का सपना था। हम अगले दौर में पहुंचना चाहते थे, लेकिन हमें अपने प्रदर्शन पर गर्व है। हमने विश्व चैंपियन के खिलाफ पूरी ताकत से मुकाबला किया और सिर ऊंचा रखकर मैदान से लौट रहे हैं।

दो बार की बराबरी, अंत तक लड़ाई - लियोनेल मेसी के शानदार गोल से पिछड़ने के बाद भी केप वर्डे ने हार नहीं मानी। डेराय डुआर्टे ने दूसरे हाफ में बराबरी का गोल कर मैच को अतिरिक्त समय तक पहुंचाया।

इसके बाद अर्जेंटीना के लिए लिसांद्रो मार्टिनेज ने फिर बढ़त दिलाई, लेकिन सिडनी लोप्स कैब्रल के शानदार गोल ने एक बार फिर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। आखिरकार डिने बोर्गेस का आत्मघाती गोल केप वर्डे के सपनों को तोड़ गया।

अब दुनिया केप वर्डे को जानती है - आयरलैंड के क्लब शैमराक रोवर्स से खेलने वाले पिको लोप्स ने कहा कि इस विश्व कप ने केप वर्डे को वैश्विक पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा, जब हमने विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था, तब हमारा लक्ष्य दुनिया को यह दिखाना था कि हम यहां खेलने के हकदार हैं। अब किसी को यह पूछने की जरूरत नहीं पड़ेगी कि केप वर्डे कहां है। दुनिया अब हमारे देश और हमारी टीम को जानती है।

आईपीओ में म्यूचुअल फंडों की रिकॉर्ड भागीदारी, छोटे शेयरों की ओर बढ़ा रुझान

नई दिल्ली

ईरान युद्ध के बाद से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में म्यूचुअल फंडों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। प्राइमडेटाबेस डाट काम के आंकड़ों के अनुसार फरवरी के अंत में युद्ध शुरू होने के बाद से आए 13 आईपीओ में जुटाई गई कुल रकम का 32.3 फीसदी हिस्सा म्यूचुअल फंडों से आया है, जो पहले के 20 फीसदी के आंकड़े से कहीं अधिक है। यह बढ़ोतरी कई वर्षों के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो छोटे बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों के प्रति परिसंपत्ति प्रबंधकों के बढ़ते रुझान को दर्शाती है। बढ़ती हिस्सेदारी का वार्षिक विश्लेषण: यह रुझान

परिसंपत्ति प्रबंधक अब 4,000 करोड़ रुपये से कम पूंजी वाली कंपनियों पर लगा रहे दांव

2023 से लगातार बढ़ता दिख रहा है। 2023 में आए आईपीओ से मिली कुल रकम का 17 फीसदी हिस्सा म्यूचुअल फंडों ने खरीदा था, जो 2024 में बढ़कर 20 फीसदी, 2025 में 22 फीसदी और जून 2026 तक 29 फीसदी तक पहुंच गया। हालांकि, ईरान युद्ध के बाद के 13 आईपीओ में यह आंकड़ा 32.3 फीसदी के साथ सबसे अधिक रहा, जो बाजार में म्यूचुअल फंडों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। एक फाइनैंशियल सर्विसेज के अनुसार हाल के समय में बड़ी कंपनियों के मुकाबले छोटी कंपनियों के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। यही वजह है कि परिसंपत्ति प्रबंधक अब उन कंपनियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिनका बाजार पूंजीकरण 4,000 करोड़ रुपये से कम है। आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी के अंत से अब तक 4,000 करोड़ रुपये से कम बाजार मूल्यांकन वाली कंपनियों को लिस्टिंग वाले दिनों में औसतन 6.2 फीसदी का फायदा हुआ, जबकि इससे अधिक एमकैप वाली कंपनियों को औसतन 3.1 फीसदी का लाभ मिला। दिलचस्प बात यह है कि जहां बड़े आईपीओ में लगभग आधा हिस्सा म्यूचुअल फंडों ने खरीदा, वहीं 4,000 करोड़ रुपये से कम मूल्यांकन वाली कंपनियों के आईपीओ में उनकी हिस्सेदारी 10 फीसदी से कम रही। सिंह ने यह भी बताया कि भू-राजनीतिक तनाव और बाजार में आई गिरावट के कारण सेबी से मंजूरी प्राप्त कर चुकी कई बड़ी कंपनियों को अपने अपेक्षित मूल्यांकन पर फिर से विचार करना पड़ सकता है। यह देखना होगा कि कितनी कंपनियां कम मूल्यांकन पर सूचीबद्ध होने को तैयार होती हैं।

न्यूज ब्रीफ

बच्चों के शोषण पर मेटा की जवाबदेही तय, आईटी मंत्रालय ने भेजा समन

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों के गंभीर आरोपों के मद्देनजर इंटरनेट कंपनी मेटा को तलब किया है। मंत्रालय ने कंपनी के एल्गोरिदम और ऐसे मामलों में उसकी जवाबदेही पर स्पष्टीकरण मांगा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि राजस्व से जुड़े ऐसे मामलों में मेटा तीसरे पक्ष की सामग्री का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के निर्देश पर मंत्रालय ने मेटा से स्पष्टीकरण तलब किया है। यह कार्रवाई बीबीसी की उस रिपोर्ट के बाद की गई है जिसमें दावा किया गया था कि मेटा के प्लेटफार्म पर बाल यौन शोषण सामग्री वाले वीडियो और विज्ञापन उसके एल्गोरिदम द्वारा बढ़ावा दिए जा रहे थे, भले ही कंपनी की नीतियां इसकी अनुमति नहीं देती हैं। मंत्रालय ने मेटा से ऐसे विज्ञापनों की स्वीकृति, सुधारात्मक उपायों और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए किए गए सुरक्षा उपायों पर विस्तृत जानकारी मांगी है। यह इस सप्ताह मेटा के खिलाफ दूसरी नियामक कार्रवाई है। इससे पहले सरकार ने व्हाट्सऐप के यूजरनेम फीचर को लेकर भी मेटा को नोटिस जारी कर उसे रोकने का निर्देश दिया था। आईटी अधिनियम की धारा 67बी के तहत बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री का प्रकाशन एक दंडनीय अपराध है। मेटा ने अपने बयान में कहा है कि उसकी बाल यौन शोषण सामग्री के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति है और वह ऐसी सामग्री को हटाने के लिए उन्नत एआई का उपयोग करती है।

भारत-इजराइल द्विपक्षीय निवेश समझौता हुआ लागू, सीमा-पार निवेश को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। भारत और इजराइल के बीच द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईए) शनिवार से प्रभावी हो गया है। भारत और इजराइल की सरकार ने 8 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में बीआईए पर हस्ताक्षर किए थे। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि भारत और इजराइल की सरकार के बीच 8 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित द्विपक्षीय निवेश समझौता 4 जुलाई से लागू हो गया है। बीआईए से सीमा पार निवेश में वृद्धि होने और भारत और इजराइल के बीच आर्थिक साझेदारी के और गहरा होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा कि बीआईए द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और एक सुरक्षित और पूर्वानुमानित निवेश वातावरण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस ऐतिहासिक समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सुरक्षित निवेश का माहौल बनाना और सीमा-पार निवेश को बढ़ावा देना है, जिससे द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी और गहरी होगी। वित्त मंत्रालय ने कहा कि बीआईए निवेश और निवेशकों के निवेशों की सुरक्षा में मजबूत है, साथ ही साथ वैध सार्वजनिक नीति के उद्देश्यों के अनुरूप संप्रभु नीतिगत स्थान बनाए रखने के लिए पर्याप्त लचीला भी है। यह अंतरराष्ट्रीय निवेश कानून के आधुनिक सिद्धांतों और विकसित होते न्यायशास्त्र को दर्शाता है।

आरबीआई ने बीओबी पर लगाया 63.6 लाख का जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक मानकों के उल्लंघन के आरोप में बैंक आफ बड़ौदा (बीओबी) और जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक के निरीक्षण में इन वित्तीय संस्थाओं में कई कमियां उजागर हुईं। बैंक आफ बड़ौदा पर 63.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि एक वैधानिक निरीक्षण में पाया गया कि बैंक ने कुछ ऋण खातों में निर्धारित दर से अधिक ब्याज वसूला। इसके अतिरिक्त, बैंक कुछ ग्राहकों के केवाईसी रिकार्ड को निर्धारित समयसीमा के भीतर सेंट्रल केवाईसी रिकार्ड्स रजिस्ट्री पर अपलोड करने में भी विफल रहा। इसी क्रम में जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर 3.1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। कंपनी केवाईसी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के साथ-साथ खातों के जोखिम वर्गीकरण की छह महीने में एक बार समीक्षा करने की प्रणाली लागू करने में नाकाम रही। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि ये जुर्माने केवल नियामक अनुपालन में पाई गई कमियों के लिए हैं और इनका उद्देश्य किसी भी लेनदेन की वैधता पर टिप्पणी करना नहीं है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने खिलौना उद्योग से निर्यात को 10 गुना बढ़ाने का किया आह्वान

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को भारतीय खिलौना निर्माताओं से अगले चार वर्षों में खिलौनों के निर्यात को 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत-पेरू के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चल रही वार्ता के जल्द संपन्न होने की संभावना नहीं है। हालांकि, वाणिज्य मंत्री ने भारत-कनाडा एफटीए के संबंध में सकारात्मक संकेत दिए।

पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित 17वें टाय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने भारतीय खिलौना उद्योग से अगले चार वर्षों में खिलौनों के निर्यात को 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य तय करने का आह्वान किया। उन्होंने अपने संबोधन में खिलौना उद्योग को आश्वासन दिया कि सरकार गुणवत्ता मानकों (क्यूसीओ) को वापस नहीं लेगी। पीयूष गोयल ने पूरे भारत में खिलौना निर्माण क्लस्टर्स के लिए आधुनिक टेस्टिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया है।

वाणिज्य मंत्री ने 17वें टाय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2026 में खिलौना आयात करने वाले देश से निर्यातक बनने तक के भारत के सफर का ज़िक्र करते हुए कहा कि यह सेक्टर और भी तेजी से बढ़ने के लिए तैयार है क्योंकि हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से नए बाजार खुलेंगे। उन्होंने खिलौना उद्योग से कहा कि वे क्वालिटी, सुरक्षा और ग्लोबल स्टैंडर्ड्स को प्राथमिकता दें, ताकि वैश्विक खिलौना निर्माण और निर्यात हब के तौर पर भारत की स्थिति और मजबूत हो सके।

गोयल ने यहां आयोजित 17वें टाय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो से इतर संवाददाताओं से कहा, कुछ चिंताएं हैं, कई ऐसे उत्पाद हैं, जहां हम उन्हें बाजार पहुंच की अनुमति नहीं दे सकते। मुझे नहीं लगता कि पेरू के साथ एफटीए बहुत जल्द होने जा रहा है। हालांकि, उन्होंने भारत-कनाडा एफटीए के संबंध में सकारात्मक संकेत दिए।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि कुछ उत्पादों में बाजार पहुंच संबंधी चिंताओं के कारण भारत-पेरू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चल रही बातचीत के जल्द संपन्न होने की संभावना नहीं है। दूसरी ओर भारत-कनाडा एफटीए के संबंध में मंत्री ने बताया कि भारतीय अधिकारियों का एक दल बातचीत के अगले दौर के लिए सोमवार को कनाडा जाएगा।

गोयल ने कहा, कनाडा के साथ एफटीए वार्ता अच्छी प्रगति पर है। हमारी टीम अगले दौर की बातचीत के लिए सोमवार को जा रही है। हमारी कोशिश है कि हम अगले छह महीनों में इसे अंतिम रूप दे दें।

केंद्रीय मंत्री ने यह बताया कि वह 13 जुलाई को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रानिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ ब्रसेल्स जाएंगे, जहां वे भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) की बैठक में हिस्सा लेंगे।

डुउल्लेखनीय है कि भारत और पेरू के बीच प्रस्तावित एफटीए के लिए बातचीत साल 2017 में शुरू हुई थी। वैश्विक खिलौना बाजार लगभग 120 अरब डालर का है लेकिन इसमें भारत की हिस्सेदारी अभी मात्र 0.2 से 0.3 फीसदी है। हालांकि, पिछले चार वर्षों में खिलौनों के निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है।

ईपीएफओ पोर्टल का बड़ा अपग्रेड, यूएएन सेवाएं अब उमंग ऐप पर

नई दिल्ली

सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ी, पोर्टल पर यूएएन ढूंढना हुआ आसान

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल को नए इंटरफेस और बेहतर सुरक्षा सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया है। एक सप्ताह के रखरखाव के बाद दोबारा शुरू हुए इस पोर्टल पर अब यूएएन एक्टिवेशन और नया यूएएन जनरेट करने जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं सीधे उपलब्ध नहीं होंगी। इन्हें सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से उमंग ऐप पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस बड़े बदलाव के बाद, अब ईपीएफओ सदस्य उमंग ऐप के माध्यम से ही अपने यूएएन को एक्टिवेट कर सकेंगे।

इसके लिए आधार-आधारित फेस आथेंटिकेशन का उपयोग किया जा सकेगा। इसी तरह नया यूएएन जनरेट करने या पहले से मौजूद पीएफ खाते से नए यूएएन को लिंक करने की प्रक्रिया भी अब केवल उमंग ऐप पर ही उपलब्ध होगी, जिसके लिए मोबाइल नंबर सत्यापन आवश्यक होगा।

हालांकि ईपीएफओ ने अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर यूएएन ढूंढना पहले से आसान बना दिया है। सदस्य अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर दर्ज कर, पहचान प्रमाण अपलोड करने और ओटीपी सत्यापन के बाद अपना यूएएन दोबारा प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सदस्य की मृत्यु के बाद नामिनी या लाभार्थी द्वारा किए जाने वाले डेथ क्लेम और पेंशन से जुड़े दावे पहले की तरह ईपीएफओ के यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर ही उपलब्ध रहेंगे।

उमंग भारत सरकार का एक आधिकारिक ऐप है, जो ईपीएफओ सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं को नागरिकों के लिए अधिक सुरक्षित, डिजिटल और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाता है। इस कदम का उद्देश्य सेवाओं को और अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ह'राम...

आरोप है कि मंदिर में होने वाले हर विशेष कार्यक्रम के दौरान अनुकल्प मिश्रा के नाम से एंट्री पास बनाया जाता था। दावा किया जा रहा है कि इसी व्यवस्था कार्यकर्ता वाले पास के जरिए उसे मंदिर परिसर में प्रवेश मिलता था। आरोप यह भी हैं कि इसी पास के आधार पर वह चढ़ावे की राशि की गिनती की प्रक्रिया में शामिल होता था।

महंत दिनेंद्र दास महाराज की कड़ी प्रतिक्रिया

वहीं, चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेंद्र दास महाराज ने दोषियों के लिए कड़ी सजा की मांग की है। उन्होंने कहा, भगवान के घर में अपराध करने वालों को सीधे फांसी पर लटका देना चाहिए।

शोपियां मुठभेड़ ...

जाकिर अहमद गनई दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले का रहने वाला बताया जाता है और वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा ए++ कैटेगरी का मोस्ट वांटेड आतंकी है। वह कई आतंकी वारदातों में शामिल रहा है और उसके खिलाफ केस दर्ज हैं। अक्टूबर 2025 में कुलगाम एनआईए कोर्ट ने उसके खिलाफ पब्लिक नोटिस भी जारी किया था। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले की जांच के दौरान जाकिर गनई का नाम स्थानीय आतंकियों में सामने आया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, वह सुरक्षा बलों पर हमलों और टारगेट किलिंग की घटनाओं में भी शामिल रहा है।

23 खूंखार...

ठिकाना: पाकिस्तान, आरोप: आतंकी नेटवर्क को लॉजिस्टिक सहायता, भर्ती और साजिश में भूमिका।

3. मुफ्ती मोहम्मद असगर खान उर्फ अबू साद (जैश-ए-मोहम्मद) ठिकाना: अब्बासपुर, पीओके आरोप :: घुसपैठ, ट्रेनिंग, फंडिंग और 2016 के नागरोटा हमले की साजिश।

4. हाफिज अब्दुल शकूर उर्फ कारी जर्रार (जैश-ए-मोहम्मद) ठिकाना: कोटली, पीओके,आरोप: आतंकियों की भर्ती, हथियार सप्लाई, ट्रेनिंग और नागरोटा हमले से जुड़ाव।

5. अब्दुल्ला जेहादी (जैश-ए-मोहम्मद) ठिकाना: नीलम वैली, पीओके, आरोप: आतंकी कैंप चलाना, घुसपैठ और भारत में हमलों की साजिश।

6. फिरदौस अहमद भट (लश्कर-ए-तैयबा) ठिकाना: पाकिस्तान, आरोप: विदेशी आतंकियों की घुसपैठ, हथियार सप्लाई और हमलों की योजना।

7. गुलाम फरीद (जैश-ए-मोहम्मद) ठिकाना: भिम्बर, पीओके, आरोप: आतंकियों को हथियार, गोला-बारूद और लॉजिस्टिक सहायता देना।

8. हारून राशिद गनई (लश्कर-ए-तैयबा) ठिकाना: पाकिस्तान,आरोप: भर्ती, घुसपैठ और आतंकियों को सहायता देना।

9. बिलाल अहमद मीर (लश्कर-ए-तैयबा और टीआरएफ)

ठिकाना: पाकिस्तान, आरोप: भर्ती, ओवरग्राउंड वर्कर्स का नेटवर्क चलाना, हथियार और वित्तीय सहायता।

10. आबिद कय्यूम लोन (लश्कर-ए-तैयबा) ठिकाना: पीओके,आरोप: घुसपैठ, फंडिंग, लॉजिस्टिक सपोर्ट और आतंकी गतिविधियों का संचालन।

11. नज़ीर अहमद गुज्जर उर्फ मुनाज़िल (लश्कर-ए-तैयबा) ठिकाना: इस्लामाबाद, पाकिस्तान, आरोप: ड्रोन से हथियार और नशीले पदार्थ भेजना, भर्ती और घुसपैठ कराना।

12. अब्दुल रऊफ उर्फ हाफिज अब्दुल रऊफ (लश्कर-ए-तैयबा और जमात-उद-दावा),ठिकाना: लाहौर, पाकिस्तान

आरोप: फंडिंग, प्रशिक्षण, कट्टरपंथी प्रचार और आतंकी गतिविधियों का संचालन।

13. ओवैस फारूक (लश्कर-ए-तैयबा) ठिकाना: पाकिस्तान,आरोप: भर्ती, प्रशिक्षण और लॉजिस्टिक सहायता।

14. हाफिज खालिद वलीद उर्फ हाफिज खालिद नाइक (लश्कर-ए-तैयबा और जमात-उद-दावा) ठिकाना: लाहौर, पाकिस्तान, आरोप: आतंकी मॉड्यूल का संचालन, फंडिंग, भर्ती और हमलों की साजिश।

15. मौलाना इमदाद उल्लाह मक्की उर्फ मौलाना इमदाद (लश्कर-ए-तैयबा) ठिकाना: पाकिस्तान,आरोप: कट्टरपंथी प्रचार, भर्ती, फंडिंग और संगठन को समर्थन.

16. मौलाना सैफुल्लाह खालिद (लश्कर-ए-तैयबा) ठिकाना: पाकिस्तान,आरोप: प्रशिक्षण, भर्ती, फंडिंग और आतंकी साजिशों में भूमिका.

17. मोहम्मद याकूब उर्फ अबू सुमामा (लश्कर-ए-तैयबा)

ठिकाना: पाकिस्तान, आरोप: भर्ती, हथियारों की आपूर्ति, घुसपैठ और आतंकी गतिविधियों का संचालन.

18. मोहम्मद आसिफ (लश्कर-ए-तैयबा),ठिकाना: पाकिस्तान, आरोप: भर्ती, लॉजिस्टिक सपोर्ट, हथियार उपलब्ध कराना और घुसपैठ में मदद।

19. मुहम्मद सईद (लश्कर-ए-तैयबा),ठिकाना: पाकिस्तान

आरोप: प्रशिक्षण, फंडिंग, हथियारों की सप्लाई और आतंकी गतिविधियों का संचालन।

20. कारी याकूब शेख (लश्कर-ए-तैयबा) ठिकाना: लाहौर, पाकिस्तान,आरोप: हमलों की साजिश, भर्ती, प्रशिक्षण और नेटवर्क का संचालन।

21. राणा इफ्तिखार (लश्कर-ए-तैयबा) ठिकाना: पाकिस्तान,आरोप: प्रशिक्षण देना, हथियार उपलब्ध कराना, घुसपैठ और आतंकी गतिविधियों में शामिल होना।

22. मोहम्मद यूसुफ अजहर (जैश-ए-मोहम्मद) ठिकाना: बहावलपुर, पाकिस्तान,आरोप: भर्ती, प्रशिक्षण, बड़े हमलों की साजिश, घुसपैठ और जैश के ढांचे का संचालन.

23. मोहम्मद शहीद फैसल उर्फ उस्ताद उर्फ मुहंदिस उर्फ जाकिर (लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद) ठिकाना: रावलपिंडी, पाकिस्तान, आरोप: भर्ती, हथियारों का प्रशिक्षण, फंडिंग, एन्क्रिप्टेड संचार, फर्जी पहचान तैयार करना और आतंकी साजिशों का संचालन.

हर्ष ...

और जश्न के दौरान की जाने वाली हर्ष फायरिंग देश में एक गंभीर समस्या बन चुकी है, जो अक्सर लोगों की जान ले लेती है। कोर्ट ने कहा था कि यह मामला भी ऐसी ही एक दुखद घटना का उदाहरण है, जहां बिहार के कई बार विधायक रहे राजू कुमार सिंह की कथित लापरवाह हर्ष फायरिंग के कारण न्यू ईयर पार्टी में शामिल एक महिला की मौत हो गई। कोर्ट ने उपलब्ध सबूतों और गवाहों के बयानों के आधार पर माना कि राजू कुमार सिंह ने ही वह गोली चलाई थी, जिससे अर्चना गुप्ता की मौत हुई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में सजा का ऐलान 7 जुलाई, 2026 को किया।

अब राजू कुमार सिंह की विधायकी जानी तय

चूंकि राजू कुमार सिंह को दो साल से अधिक की सजा सुनाई गई है, इसलिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत उनकी विधायकी पर अयोग्यता लागू हो सकती है। ऐसे में बिहार विधानसभा की उनकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है। अब यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उन्हें ऊपरी अदालत से दोषसिद्धि पर राहत मिलती है या नहीं। भारत में सांसद या विधायक की सदस्यता जाने का नियम जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 के तहत तय होता है। अगर किसी सांसद या विधायक को दो साल या उससे अधिक की सजा किसी आपराधिक मामले में मिलती है, तो उसकी सदस्यता तत्काल प्रभाव से रद्द हो जाती है।

लिली थॉमस केस: सजा होते ही अयोग्यता

यह नियम सुप्रीम कोर्ट के 2013 के ऐतिहासिक फैसले (लिली थॉमस केस) के बाद लागू हुआ था। पहले दोषी जनप्रतिनिधियों को अपील के लिए कुछ समय मिल जाता था, लेकिन अब सजा होते ही अयोग्यता लागू हो जाती है। हालांकि, अगर ऊपरी अदालत (हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट) सजा पर स्टे दे दे, तो सदस्यता बच सकती है। सिर्फ सजा पर रोक पर्याप्त नहीं मानी जाती, बल्कि दोषसिद्धि पर रोक जरूरी होती है।

पंजाब कांग्रेस...

मैं मुख्यमंत्री बनने का सपना नहीं देखता।

चरणजीत सिंह चन्नी के घर हुई बैठक पर वड़िंग ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा, चन्नी साहब वरिष्ठ और सम्मानित नेता हैं। वे चुनाव प्रचार समिति के अध्यक्ष हैं।

उनके घर कांग्रेस नेताओं का इकट्ठा होना कोई समस्या नहीं है। किसी भी नेता के घर बैठक हो सकती है। अगर कुछ मुद्दे हैं तो बैठकर चर्चा की जा सकती है। इसका मतलब यह नहीं कि पार्टी में कोई टूट या टकराव है। पंजाब कांग्रेस चीफ ने यह भी कहा कि बैठक में किसी वरिष्ठ नेता ने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा। न तो चन्नी साहब ने मेरे खिलाफ कुछ कहा और न ही किसी वरिष्ठ नेता ने। जिन्होंने बयान दिए, वे पार्टी में नहीं हैं। बहुत जल्द आप सभी नेताओं को एक साथ बैठकर पंजाब के लिए लड़ते हुए देखेंगे।

अनुशासन सबसे जरूरी -राजा

पार्टी अनुशासन पर जोर देते हुए वड़िंग ने कहा, अनुशासन बहुत जरूरी है। कल न तो चन्नी साहब ने और न ही किसी वरिष्ठ नेता ने ऐसा कोई काम किया।

अगर कोई अनुशासन तोड़ेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। सभी को अपनी मर्यादा में रहकर ही बोलना चाहिए।

बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, उन्हें एक-दो दिन खुश रहने दीजिए। कांग्रेस पार्टी बीजेपी को पंजाब में पैर तक नहीं जमाने देगी।

पंजाब कांग्रेस में फिलहाल मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर चर्चाएं तेज हैं। हालांकि राजा वड़िंग ने साफ कर दिया है कि अंतिम फैसला राहुल गांधी और पार्टी हाईकमान का होगा, और वह उस फैसले को पूरी तरह स्वीकार करेंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 05 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का बड़ा विस्तार

सेवा और एकता के संकल्प के साथ वैभव शाखा का हुआ भव्य आगाज़

हैदराबाद, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने सांगठनिक विस्तार और सामाजिक सरोकारों को अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है।

4 जुलाई 2026 को समाज के शीर्ष पदाधिकारियों की उपस्थिति में एक नई और विशेष शाखा अग्रवाल समाज वैभव शाखा के नाम से शुरू की गई है।

इस नई शाखा की शुरुआत के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेन्द्र कुमार गोयल, जोनल कोऑर्डिनेटर श्री सुरेश कुमार टंडन, सलाहकार श्री सुरेश अग्रवाल दिल्लीवाला एवं चेयरमैन श्री सतीश कुमार सरावाला की गरिमामयी और प्रेरक उपस्थिति रही।

समाज सेवा, एकता और संस्कारों को मजबूत करने का विशेष उद्देश्य

शीर्ष नेतृत्व ने बताया कि इस नई वैभव शाखा को स्थापित करने का विशेष उद्देश्य समाज सेवा के दायरे को बढ़ाना, समाज के भीतर अभेद्य एकता स्थापित करना और विभिन्न कल्याणकारी सामाजिक कार्यों को गति के साथ आगे बढ़ाना है। उपस्थित वरिष्ठ अतिथियों ने विश्वास जताया कि यह नई शाखा भविष्य में समाज के विकास, सेवा और अग्रवाल संस्कृति के संस्कारों को और अधिक मजबूत करने के लिए निरंतर धरातल पर कार्य करती रहेगी।

राकेश अग्रवाल के हाथों में कमान, नई कार्यकारिणी घोषित

शाखा के सुचारू संचालन और उद्देश्यों की पूर्ति के लिए नई ऊर्जावान कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई है, जिसमें समाज के प्रबुद्ध जनों को अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नई शाखा के घोषित कार्यकारिणी सदस्यों की सूची इस प्रकार है: अध्यक्ष: राकेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष: रुपेश कुमार गुप्ता, सचिव: निलेश अग्रवाल, संयुक्त सचिव: अमरीश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष: कीर्तिका गुप्ता। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने इस अवसर पर समाज हित में पूरी निष्ठा के साथ काम करने और संगठन के लक्ष्यों को हर नागरिक तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की शपथ पहल का सशक्त आगाज़

ड्रग फ्री यंग इंडिया के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

युवा पीढ़ी को नशे के चंगुल से बचाने और देश को एक सुरक्षित भविष्य देने की दिशा में अग्रवाल समाज तेलंगाना ने एक बेहद सराहनीय कदम उठाया है। समाज की विशेष पहल शपथ – एंटी ड्रग अभियान के अंतर्गत प्रथम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मुसा बौली स्थित राजस्थान हिंदी विद्यालय में बेहद सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को ड्रग्स के दुष्प्रभावों इस सामाजिक बुराई से दूर रखना था।

पुलिस विभाग और ईगल फोर्स के सहयोग से टीम मशपथफका अभियान

यह अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम श्री राम निवास बंसल जी के कुशल मार्गदर्शन में मटीम शपथफ द्वारा आयोजित किया गया। अभियान को धरातल पर उतारने और इसे प्रभावी बनाने में आयुष अग्रवाल, कन्हैया गड़िया एवं दिव्या अग्रवाल ने अपनी सक्रिय और अग्रणी भूमिका निभाई। सामाजिक सरोकार से जुड़े अभियान को तेलंगाना पुलिस विभाग एवं ईगल फोर्स का भी पूर्ण और आधिकारिक सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे कार्यक्रम का महत्व और अधिक बढ़ गया।

इस विशेष अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित तेलंगाना ईगल फोर्स के इंस्पेक्टर पी. श्रीनिवास राव ने विद्यार्थियों को विस्तार से संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में समाज में पैर पसारते नशे के बढ़ते गंभीर खतरे पर चिंता व्यक्त की। इंस्पेक्टर राव ने विशेष रूप से इस बात पर प्रकाश डाला और जागरूक किया कि किस प्रकार आजकल के ड्रग माफिया और पेडलर्स अपने नापाक फायदों के लिए मासूम बच्चों व स्कूली छात्रों को अपना निशाना बना रहे हैं। उन्होंने छात्रों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को देने की सलाह दी।

विद्यार्थियों ने ली नशामुक्त जीवन जीने की शपथ, विद्यालय प्रबंधन का रहा पूर्ण सहयोग

कार्यक्रम के अंतिम चरण में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों और उपस्थित जनसमूह को जीवन में कभी भी नशे को हाथ न लगाने और नशामुक्त जीवन जीने की पवित्र शपथ दिलाई गई।

इस दौरान पूरा परिसर ड्रग फ्री यंग इंडिया के गूंजते संकल्प से सराबोर हो उठा।

इस पूरे भव्य आयोजन को सुचारू रूप से संचालित करने और इसे पूरी तरह सफल बनाने में राजस्थान हिंदी विद्यालय की ओर से महावीर पिट्टी, दामोदर मुंडडा, कमल जाजू एवं महेश अग्रवाल का बेहद महत्वपूर्ण और सराहनीय सहयोग रहा।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणास्रोत : वंश अग्रवाल

हैदराबाद, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान एवं मानव सेवा कार्यक्रम का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद, असहाय एवं निर्धन लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह, समर्पण और श्रद्धा के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का वातावरण सेवा, सहयोग, भाईचारे और मानवता की भावना से ओत-प्रोत रहा।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वंश अग्रवाल ने कहा कि यह सब राधे-राधे ग्रुप की महिमा, सभी सदस्यों की निस्वार्थ सेवा भावना और प्रभु की असीम कृपा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के मानव सेवा करता है, तब वही सेवा ईश्वर की सच्ची आराधना बन जाती है। राधे-राधे ग्रुप पिछले लंबे समय से निरंतर जिस समर्पण और निष्ठा के साथ अन्नदान एवं जनसेवा का कार्य कर रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना, निराश व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना और जरूरतमंद की सहायता करना सबसे बड़ा धर्म है। समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब प्रत्येक व्यक्ति अपनी आय और समय का कुछ भाग मानव सेवा के लिए समर्पित करे। सेवा का यह छोटा-सा प्रयास किसी के जीवन में नई आशा और नया विश्वास जगा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर मानवता की सेवा के ऐसे कार्यों में अधिक से अधिक सहयोग करें।

वंश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव, सहयोग और संस्कारों का संदेश भी निरंतर प्रसारित कर रहा है। ग्रुप का प्रत्येक सदस्य सेवा को अपना कर्तव्य मानते हुए पूरे समर्पण के साथ कार्य करता है। यही कारण है कि आज यह सेवा अभियान लगातार विस्तार प्राप्त कर रहा है और अनेक लोग इससे जुड़कर समाज सेवा का संकल्प ले रहे हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई तथा भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर मानव सेवा करते रहने का संकल्प दोहराया। अंत में सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि समाज में प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना निरंतर बढ़ती रहे तथा कोई भी व्यक्ति भूखा, असहाय या उपेक्षित न रहे।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, वंश अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, स्वास्ति अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, जगन गुप्ता, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, रेनू शर्मा एवं ज्योति अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दीक्षांत समारोह संपन्न, नव-निर्वाचित छात्र परिषद ने ली शपथ

हैदराबाद, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पल्लवी इंटरनेशनल स्कूल, बाचुपल्ली में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए छात्र परिषद के गठन हेतु दीक्षांत समारोह का आयोजन बेहद गरिमापूर्ण तरीके से किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में नवनिर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को बैज और सैश (समारोह पट्टियाँ) प्रदान किए गए, जिसके बाद सभी छात्र नेताओं ने पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने की शपथ ली।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए 1971 के भारत-पाक युद्ध के दिग्गज और भारतीय सेना के पूर्व कर्नल डॉ. वी. आर. के. प्रसाद (सेवानिवृत्त) ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि अनुशासन, दृढ़ता, ईमानदारी और देशभक्ति ही सच्चे नेतृत्व की आधारशिला हैं। वहीं विशिष्ट अतिथि जीडीमेतला ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के एसएचओ व पुलिस निरीक्षक वी. नरसिम्हा राव ने छात्रों को यातायात नियमों का पालन करने और जिम्मेदार नागरिक बनने की सीख दी। प्रधानाचार्या सुदेष्णा मैराल और पल्लवी ग्रुप ऑफ स्कूल्स की शैक्षणिक लेखा परीक्षक सुश्री नीलिमा ने छात्र नेताओं को बधाई देते हुए उन्हें सहानुभूति और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। समारोह के दौरान छात्रों ने शास्त्रीय नृत्य, योग प्रदर्शन और कलात्मक प्रस्तुतियाँ दीं। अंत में, पर्यावरण स्थिरता के प्रति स्कूल की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए हरित हरम वृक्षारोपण अभियान और राष्ट्रगान के साथ इस गौरवमयी कार्यक्रम का समापन हुआ।

महेश बैंक ने मनाई गोविंद राठी की वैवाहिक वर्षगाँठ

हैदराबाद, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आन्ध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक का हेड ऑफिस शनिवार को पूरी तरह से खुशी, उमंग और जश्न के अनूठे माहौल से सराबोर नजर आया। अवसर बेहद खास था बैंक के वाइस चेयरमैन श्री गोविंद नारायण राठी अपनी वैवाहिक जीवन की गौरवमयी 54वीं सालगिरह मना रहे थे।

इस विशेष और अत्यंत खुशी भरे मौके पर उनके वैवाहिक जीवन की अर्धशतकीय यात्रा को सम्मानित करने के लिए बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड़, डायरेक्टर देवेंद्र झँवर, डायरेक्टर पवन कुमार लोहिया, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (इंचार्ज) सहित बैंक के तमाम सीनियर एग्जीक्यूटिव्स विशेष रूप से शामिल हुए। इस भव्य जश्न ने न केवल ऑर्गेनाइजेशन की मजबूत कम्युनिटी भावना को प्रदर्शित किया, बल्कि महेश बैंक द्वारा अपनी लीडरशिप (नेतृत्व) और कर्मचारियों के बीच सदियों से बनाए रखे गए करीबी पारिवारिक कल्चर और आत्मीयता को भी दुनिया के सामने जीवंत कर दिया।

दिन के इस शानदार जश्न की आधिकारिक शुरुआत एनिवर्सरी केक-कटिंग की रस्म के साथ हुई, जहां उपस्थित सभी अधिकारियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ राठी दंपत्ति के सुखद जीवन की कामना की। इस ऐतिहासिक मौके पर बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड़ ने गोविंद नारायण राठी को पारंपरिक शॉल ओढ़ाकर, मस्तक पर पगड़ी सजाकर और मोतियों की माला भेंट कर बैंक परिवार की ओर से भावभीना सम्मान किया।

सम्मान समारोह के दौरान चेयरमैन पलोड़ ने वाइस चेयरमैन के उत्तम और ऊर्जावान स्वास्थ्य की खुलकर तारीफ की।

उन्होंने बैंक की प्रगति में राठी जी के लगातार मिल रहे कुशल मार्गदर्शन और उनकी पर्सनल व प्रोफेशनल जिंदगी में उनके प्रेरणादायक मूल्यों के लिए पूरी संस्था की तरफ से उनका सहृदय शुक्रिया अदा किया।

इसके साथ ही चेयरमैन, उपस्थित डायरेक्टर्स और सीनियर एग्जीक्यूटिव्स ने सामूहिक रूप से उनके दीर्घायु जीवन, अटूट खुशी और आपसी साथ-साथ बने रहने के लिए दिल से मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

इस आत्मीय सम्मान और भव्य आयोजन से अभिभूत होकर वाइस चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी ने चेयरमैन, समस्त डायरेक्टर्स और सीनियर एग्जीक्यूटिव्स का उनकी आदरयुक्त शुभकामनाओं और बैंक की प्रगति के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया।

उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने भावुक मन से कहा कि महेश बैंक परिवार का यह नि:स्वार्थ और पूरा सहयोग ही आज संस्थान की लगातार मिल रही बड़ी सफलताओं में बेहद अहम रहा है।

उन्होंने बैंक की हर ऐतिहासिक उपलब्धियों का वास्तविक श्रेय वहां काम करने वाले निष्ठावान कर्मचारियों को देते हुए उन्हें ही बैंक की असली रीढ़ की हड्डी करार दिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में, अपनी इस वैवाहिक वर्षगाँठ को यादगार बनाने और बैंक परिवार के प्रति अपने अगाध प्यार के प्रतीक के तौर पर वाइस चेयरमैन गोविन्द नारायण राठी ने सभी उपस्थित जनों को विशेष यादगार तोहफ़े (मेमेंटो) वितरित किए।

अरब शाह बाबा दरगाह में एक पेड़ माँ के नाम अभियान का सफल आयोजन

हैदराबाद, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान और राज्य इकाई के विशेष मार्गदर्शन में आज फतेह नगर स्थित प्रसिद्ध अरब शाह बाबा दरगाह परिसर में एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान बड़े उत्साह और भव्यता के साथ सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में इस देशव्यापी अभियान की जानकारी देते हुए भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के मीडिया कनवीनर मुकेश जैन चौहान ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशन पर पुनः इस पुनीत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस विशेष अवसर पर कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने इस पुनीत कार्य में भाग लेने वाले सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आप सभी के बहुमूल्य सहयोग से हम एक हरित और स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने में सफल हुए हैं। आज के इस पावन अभियान के तहत हर एक पेड़ जो हम लगाते हैं, वह हमारी माताओं को समर्पित एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि है और साथ ही यह हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण की रक्षा करने का हमारा एक दृढ़ संकल्प भी है। इस बड़े पैमाने पर आयोजित किए गए वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की पूरी टीम एकजुट नजर आई। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहने वाले प्रमुख पदाधिकारियों में भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, महासचिव हरप्रीत सिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष गण शाहजहां, प्रदीप सुराणा व बलबीर सिंह शामिल रहे। इनके साथ ही सचिव सतपाल सिंह छाबड़ा व मोहम्मद गजनी, कोषाध्यक्ष जसपाल सिंह टुटेजा, रिदा कुद्दस, सुमीत माखीजा, निसार अहमद, गुरचरण सिंह, मनदीप सिंह एवं कई अन्य वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता तथा स्थानीय समर्थक भारी संख्या में उपस्थित रहे।

रेवंत रेड्डी के राजनीतिक सफर के 20 वर्ष पूरे : मिडजिल की जड़ों में लौटे मुख्यमंत्री

नागरकुरनूल, 4 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अपने राजनीतिक जीवन के एक महत्वपूर्ण पड़ाव को चिह्नित करते हुए, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी एक विशाल धन्यवाद रैली (कृतज्ञता सभा) को संबोधित करने के लिए नागरकुरनूल जिले के मिडजिल मंडल लौटे। अपने दो दशक लंबे सफर को याद करते हुए मुख्यमंत्री स्थानीय जनता के साथ अपने गहरे जुड़ाव को लेकर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि 4 जुलाई 2006 को मिडजिल के लोगों द्वारा रोपा गया राजनीति का ङ्कपौधाङ्क आज एक विशाल वृक्ष बन चुका है जो पूरे राज्य का नेतृत्व कर रहा है।

मिडजिल से शुरू हुआ सफर और महान नेताओं को नमन

रेवंत रेड्डी ने राजनीति में अपने प्रवेश को याद करते हुए सभा को याद दिलाया कि उन्होंने 2006 में मिडजिल से एक निर्दलीय जेडपीटीसी (नझढउ) उम्मीदवार के रूप में अपना पहला बड़ा चुनाव जीता था, भले ही यह उनका मूल निर्वाचन क्षेत्र नहीं था। उन्होंने महबूबनगर क्षेत्र की समृद्ध राजनीतिक विरासत को श्रद्धांजलि दी और हैदराबाद राज्य के पहले मुख्यमंत्री बुर्गुला रामकृष्ण राव और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयपाल रेड्डी जैसे महान दिग्गजों को याद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, ङ्कबीस साल पहले एक निर्दलीय बाहरी व्यक्ति पर मिडजिल के लोगों ने जो बिना शर्त भरोसा जताया था, उसी की बदौलत आज मैं मुख्यमंत्री के रूप में आपके सामने खड़ा हूँ।ङ्क इस क्षेत्र की ऐतिहासिक उपेक्षा को उजागर करते हुए, जिसे 2006 में एक पिछड़े मडार्क मंडलफ (पिछड़े क्षेत्र) के रूप मंक चिह्नित किया गया था, मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक रूप से उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क से मिडजिल मंडल को आधिकारिक तौर पर गोद लेने का अनुरोध किया ताकि इसका तेजी से विकास सुनिश्चित किया जा सके।

पिछली सरकार पर तीखा हमला और जनकल्याण का संकल्प

अपने प्रशासन के शासन बनाम पिछली बीआरएस (इठड) सरकार पर ध्यान केंद्रित करते हुए, रेवंत रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पिछली सरकार पर व्यवस्थागत सामंती अहंकार का आरोप लगाया, जिसमें उन्होंने तेलंगाना के प्रतिष्ठित कार्यकर्ता गद्दार के साथ कथित दुर्व्यवहार और नेरेला में दलित प्रदर्शनकारियों के दमन का हवाला दिया।रेड्डी ने अपनी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, जैसे कि मइंदिरम्मा इंदलूफआवास पहल और देश भर में मिसाल बनने वाली जाति जनगणना की तुलना बीआरएस के अधूरे वादों से की।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ङ्कपिछली सरकार ने 70,000 करोड़ के कर्ज वाले राज्य को 8.50 लाख करोड़ के भारी संकट में धकेल दिया।ङ्क उन्होंने केसीआर परिवार की संपत्तियों पर तीखे सवाल उठाते हुए अपने भाषण का समापन किया। उन्होंने पूछा कि पिछले एक दशक में जहां आम जनता को बुनियादी आवास और रोजगार से वंचित रखा गया, वहीं बीआरएस के शीर्ष नेतृत्व ने विशाल फार्महाउस और हजारों करोड़ रुपये की जमीनें कैसे हासिल कर लीं।

सेवा और समर्पण की मिसाल बनता जा रहा है राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : कमल किशोर कुमावत

हैदराबाद, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कमल किशोर कुमावत ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ सेवा, समर्पण और मानवता के भाव से निरंतर अन्नदान का कार्य कर रहा है, वह समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है और ऐसे सेवा कार्य समाज में प्रेम, करुणा तथा भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से आह्वान किया कि वे भी अपनी क्षमता के अनुसार सेवा कार्यों में सहभागी बनकर जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां लाने का प्रयास करें।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा को ही सच्ची ईश्वर भक्ति बताते हुए संकल्प लिया कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान अभियान भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर चलता रहेगा, ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति भूखा न रहे। सभी ने समाज में सेवा, सहयोग और सद्भाव का संदेश देने का भी आह्वान किया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, कमल किशोर कुमावत, थक्स कुमावत, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, गोपाल गोयल, जगन गुप्ता, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दायमा सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरण किया और मानव सेवा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

युवाओं की समाज नवनिर्माण और राष्ट्र के भविष्य निर्माण में महती भूमिका: सुरेश सीरवी

हैदराबाद, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संगठन की मजबूती में युवा शक्ति की निर्णायक भूमिका को रेखांकित करते हुए एल. बी. नगर स्थित सीरवी समाज आईमाता वडेर में अखिल भारतीय सीरवी युवा परिषद की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश सीरवी मपालीफकी गरिमामयी अध्यक्षता में मंगलवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन एवं परम पूज्य आईमाताजी की पावन आरती के साथ हुआ।

बैठक के दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केसाराम सोलंकी ने संगठन विस्तार, तेलंगाना राज्य युवा परिषद के आगामी गठन, सेवा गतिविधियों के दायरे को बढ़ाने तथा इस विशेष बैठक के आयोजन के मुख्य उद्देश्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने युवा परिषद के गठन को लेकर उपस्थित सभी प्रबुद्ध जनों से अपनी-अपनी राय देने का अनुरोध किया और इस पुनीत कार्य में सभी से सक्रिय सहयोग की अपील की।

अन्याय के खिलाफ युवाओं को न्याय दिलाने का माध्यम बनेगी परिषद: राष्ट्रीय अध्यक्ष

बैठक को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए प्रतिष्ठित समाजसेवी व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश सीरवी ने कहा कि तेलंगाना में निवासरत सभी समाज बंधु मिलकर एक सशक्त और अनुशासित युवा परिषद का गठन करें, जो समाजहित में सक्रिय रूप से कार्य कर सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि युवा परिषद का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता, संगठन और नि:स्वार्थ सेवा की भावना को मजबूत करना होगा। उन्होंने समाज को सुरक्षा का भरोसा देते हुए कहा कि यदि समाज में किसी भी व्यक्ति के साथ कहीं भी अन्याय होता है, तो युवा परिषद उसकी यथासंभव मदद करेगी तथा न्याय दिलाने के लिए सदैव संगठित प्रयास करेगी।

सुरेश सीरवी ने युवाओं से समाजहित को सर्वोपरि रखते हुए पूर्ण अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा कि संगठित समाज ही वास्तव में विकास, सुरक्षा और सम्मान का सबसे मजबूत आधार बनता है तथा युवा शक्ति के ऊर्जावान माध्यम से ही किसी भी संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

इसी क्रम में बैठक को संबोधित करते हुए सॉफ्टवेयर इंजीनियर हरीश मुलेवा ने एक अभिनव ङ्कसिस्टम आधारित समाज मॉडलङ्क की अवधारणा प्रस्तुत की और समाज के भीतर पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली विकसित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने आज के दौर में शिक्षा, संस्कार और सामाजिक विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित तमाम आधुनिक तकनीकों के सकारात्मक उपयोग को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया और युवाओं से तकनीकी नवाचारों को अपनाने का पुरजोर आग्रह किया।

वहीं दूसरी ओर, भाजपा युवा नेता सुनील सीरवी ने भी बैठक को संबोधित किया। उन्होंने अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज में उच्च शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, युवा नेतृत्व की क्षमता और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए लगातार संगठित प्रयास किए जाने चाहिए। इस महत्वपूर्ण बैठक में सीरवी महासभा तथा विभिन्न वडेरो के अध्यक्ष, सचिव एवं प्रतिनिधियों के साथ-साथ समाज के अनेक प्रबुद्धजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया एवं अपने बहुमूल्य विचार प्रकट किए। उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने युवा परिषद के गठन के प्रस्ताव का करतल ध्वनि से स्वागत किया और समाजहित में मिलकर कार्य करने का दृढ़ संकल्प लिया।

थाईलैंड में गोल्ड मेडल जीतने वाले सुरेश भायल का भव्य नागरिक अभिनंदन

इस ऐतिहासिक बैठक के दौरान समाज के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण भी आया, जब थाईलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेट लिफ्टिंग स्पर्धा में भारत के लिए गोल्ड मेडल अर्जित करने पर होनहार खिलाड़ी सुरेश भायल का अखिल भारतीय सीरवी युवा परिषद एवं उपस्थित समस्त समाज बंधुओ द्वारा साफा व माला पहनाकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस पूरी बैठक को सफल बनाने में एलबी नगर वडेर की स्थानीय कार्यकारिणी टीम का विशेष और सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में एलबी नगर वडेर के अध्यक्ष वेनाराम चोयल एवं सचिव प्रकाश सेपटा द्वारा सभी आगंतुकों, अतिथियों एवं समाज बंधुओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। युवा परिषद के मजबूत स्तंभ माने जाने वाले चेतन प्रकाश, प्रवीण, गोविंद पंवार, भंवरलाल, मोहनलाल तथा मंगलाराम ने बैठक में बेहद शानदार व्यवस्थाएं संभालीं। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन पूना राम सीरवी जोजावर द्वारा किया गया, जबकि संपूर्ण कार्यक्रम में समाचार संकलन एवं मीडिया कवरेज का कार्य वरिष्ठ पत्रकार जगदीश सीरवी द्वारा बखूबी संपन्न किया गया।

मतदाता सूची में हेरफेर कर हिंदू वोट काटने की साजिश: बंडी संजय

करीमनगर, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने शनिवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना सरकार मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (डखठ) के माध्यम से हिंदू वोटों को खत्म करने का प्रयास कर रही है।

जगित्याल जिले में विकास कार्यों का शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के असहयोग के कारण अधिकारी घर-घर जाकर प्रभावी ढंग से सत्यापन करने में असमर्थ हैं। उन्होंने हिंदू समाज से सतर्क रहने का आग्रह करते हुए कहा कि यदि इस मुद्दे पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो बड़े पैमाने पर नाम काटने का खतरा बना हुआ है।

हालिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए, मंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार और मौजूदा कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान 8.21 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया था, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में 1.77 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया है।

उन्होंने दावा किया कि दोनों सरकारों द्वारा लिए गए कर्ज ने राज्य की जनता पर लगभग 10 लाख करोड़ रुपये का बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर वित्तीय स्थिति का असर वेतन, पेंशन, फीस प्रतिपूर्ति (षशश ॲशळार्लीऔशाशपीं), आरोग्यश्री और ठेकेदारों के बिलों के भुगतान पर पड़ रहा है।

भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मंत्री ने कहा कि दोनों ही सरकारें राज्य के विकास में योगदान देने में विफल रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान जमा हुआ पैसा निजी उद्देश्यों के लिए डायवर्ट (विचलित) किया गया, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार राज्य का पैसा दिल्ली भेज रही है। उन्होंने अंत में कहा कि इन दोनों पार्टियों के कामकाज में कोई खास अंतर नहीं है।

पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शनिवार को बंजारा हिल्स स्थित एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजिकल एंड यूरोलॉजी अस्पताल में तेलंगाना सरकार के सलाहकार व पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव से मुलाकात की और स्वास्थ्य के संबंध में डॉक्टरों और परिजनों से जानकारी ली। उन्होंने श्री हनुमंत राव के शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की।

वानकालम 2026 हेतु रैथू भरोसा योजना के तहत 7,135.77 करोड़ जारी, 67 लाख से अधिक किसान लाभान्वित

हैदराबाद, 04 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य सरकार ने वानकालम 2026 सीजन के लिए रैथू भरोसा योजना के तहत 7,135.77 करोड़ की भारी-भरकम राशि जारी कर दी है। 4 जुलाई तक की स्थिति के अनुसार, इस वित्तीय सहायता से राज्य भर के 118.93 लाख एकड़ कृषि भूमि पर खेती करने वाले लगभग 67.44 श्ररज़ह (67.44 लाख) किसानों को सीधा लाभ पहुँचा है।

पाँच चरणों में किया गया राशि का वितरण: 1 से 6 एकड़ तक के किसानों को मिली राहत

सरकारी योजना के तहत इस वित्तीय सहायता का हस्तांतरण एकमुश्त न करके, पाँच दिनों की अवधि में योजनाबद्ध और चरणबद्ध तरीके से किया गया। इसमें 1 एकड़ से लेकर 6 एकड़ तक की जोत वाले भूमिधारक किसानों को शामिल किया गया। रणनीति के तहत, सबसे पहले 30 जून को 2 एकड़ तक की कृषि भूमि वाले छोटे किसानों को पहली किस्त की राशि जारी की गई। इसके बाद लगातार अगले चार दिनों तक अन्य श्रेणियों के किसानों के खातों में पैसे ट्रांसफर किए गए।

तय कार्यक्रम के अनुसार, 1 जुलाई को 3 एकड़ तक की भूमि वाले किसानों, 2 जुलाई को 4 एकड़ तक की भूमि वाले किसानों और 3 जुलाई को 5 एकड़ तक की कृषि भूमि के मालिकों के खातों में राशि भेजी गई। इस चरणबद्ध प्रक्रिया के अंतिम दिन, यानी 4 जुलाई को, 6 एकड़ तक की जोत वाले किसानों के खातों में पैसे ट्रांसफर करने के साथ ही इस सीजन के वितरण कार्य को पूरा किया गया।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस व्यवस्थित और क्रमिक वितरण प्रणाली (झहरीशव ठशश्रशरीश) से यह सुनिश्चित हुआ कि मानसून के दौरान चल रहे वानकालम सीजन में सभी जरूरतमंद किसानों को समय पर आर्थिक मदद मिल सके, जिससे वे बीज, खाद और जुताई जैसे प्राथमिक इनपुट खर्चों को सुगमता से वहन कर सकें।

सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी खैरताबाद जोन अध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल ने आबिड्स इंस्पेक्टर परशुराम, खैराबाद इंस्पेक्टर वेंकटरेड्डी एवं सैफाबाद इंस्पेक्टर ए. सीतय्या से मुलाकात कर आगामी त्यौहारों पर पीस कमेटी के सेवा कार्यों पर विचार विमर्श किया। इस अवसर पर मंत्री बरकत अली मिनसरीया, ए. लक्ष्मण, मुनि कुमार, ए. मिर्जा, भगवान, मोहम्मद इस्माइल पाशा, आबिद अली, श्रीनिवास आदि उपस्थित थे।

नंदीगामा स्थित श्री राम जीवा सेवा सदन गौशाला मे श्रीजन ग्लोबल स्कुल अमीनपुर एवं अक्षया फाउंडेशन स्कूल के विद्यार्थीयो द्वारा वृक्षारोपण एवं गौसेवा का कार्यक्रम किया गया अवसर पर उपस्थित नंदीगामा के सरपंच विक्रम गौड, गिरीधर बाबू, रविकुमार, जी. रविन्द्र, स्कूल की चेयरमेन श्रीमती अनुपमा एवं गौशाला के प्रचार मंत्री राजेश तापड़िया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.